तापमान
अधिकतम 33.7 डिग्री
न्यूनतम 25.6 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शनिवार 19 जुलाई 2025

12 विरोध के बीच सड़क पर लग रही मछली दुकानों को...

12 डुप्लेक्स मंगल भवन निर्माण को 4 महीने में एजेंसी देगी...

नहीं चाहिए पत्रकारिता का अनुभव, अब प्रोफेसर भी होंगे दावेदार, कुलपति के लिए विज्ञापन पहले ही रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के एकलौते पत्रकारिता विवि में कुलपति बनने के लिए अब पत्रकार के रूप में अनुभव अनिवार्य नहीं होगा।

- कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि संशोधन विधेयक 2025 विधानसभा में पारित

खास खबर

सरकार ने पुराने नियमों में बदलाव करते हुए कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि संशोधन विधेयक 2025 विधानसभा में पारित कर दिया है। इसके पूर्व कांग्रेस के शासनकाल में पत्रकारिता विवि में कुलपति बनने आवश्यक योग्यताओं और मापदंडों में बदलाव किया गया था। उस दौरान पत्रकारिता विवि में कुलपति बनने के लिए प्राध्यापक के रूप में 10 वर्ष के अनुभव के स्थान पर पत्रकार के रूप में 20 वर्षों के अनुभवों को शामिल किया गया था।

अर्थात कुलपति बनने के लिए पत्रकारिकता के क्षेत्र में 20 वर्षों का अनुभव अनिवार्य था। सीएम साय ने संशोधित विधेयक के संदर्भ में जानकारी देते हुए विधानसभा में कहा, कुलपति नियुक्ति के लिए 10 वर्षों का अनुभव अनिवार्य किया गया है। आवेदनकर्ता को केंद्र या राज्य के महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

मामला कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि का, मार्च में रिक्त हुआ था कुलपति का पद

रद्द किया गया था विज्ञापन

पत्रकारिता विवि के पूर्व कुलपति बलदेव भाई शर्मा का कार्यकाल इस वर्ष मार्च माह में समाप्त हुआ था। इसके बाद से संभागायुक्त महादेव को कुलपति पद का प्रभार दिया गया। कुलपति नियुक्ति के लिए राजभवन द्वारा विज्ञापन भी जारी किया गया था। विज्ञापन जारी किए जाने के कुछ दिनों के अंतराल में ही इसे रद्द कर दिया गया था। उस दौरान हरिभूमि ने यह स्पष्ट किया था कि शासन द्वारा कुलपति पद के लिए मापदंड बदले जाने की तैयारी है। इसके कारण नियुक्ति विज्ञापन रद्द किया गया है। अब संशोधन के पश्चात तय किए गए नए मापदंड के आधार पर कुलपति पद के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा और नियुक्ति होगी। वर्ष के अंत तक पत्रकारिता विवि को नवीन कुलपति मिलने की संभावना है।

कई दिग्गज रेस से बाहर

संशोधित नियम के बाद पत्रकारिता क्षेत्र के कई दिग्गज कुलपति बनने की रेस से बाहर हो गए हैं। पुराने नियमों के आधार पर विज्ञापन जारी होने के दौरान कई ऐसे दावेदार थे, जिनके पास 2 दशक से अधिक समय से पत्रकारिता का अनुभव है। प्राध्यापक के रूप में अध्यापन का अनुभव नहीं होने के कारण अब वे रेस से बाहर हो गए हैं। अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्ठता हासिल करने वाले ही अब पत्रकारिता विवि की कमान संभालेंगे।

खबर संक्षेप

छेड़खानी से रोकने पर हत्या दो को आजीवन कारावास

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में छह वर्ष पूर्व महिलाओं से छेड़खानी करने से मना करने पर युवक की हत्या करने के आरोप में अपर सत्र न्यायाधीश शैलेश शर्मा की कोर्ट ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक राहुल गुप्ता के अनुसार, कोर्ट ने योगेंद्र उर्फ गोलू नायक की हत्या के आरोप में जितेंद्र सेन उर्फ गजनी तथा अश्विन तिवारी को कैद की सजा सुनाई है। छह वर्ष पूर्व 13 सितंबर 2019 को गणेश विसर्जन झांकी के दौरान जितेंद्र महिलाओं के साथ छेड़खानी कर रहा था। इस पर योगेंद्र ने आपत्ति करते हुए जितेंद्र को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद जितेंद्र ने अपने साथी अश्विन तथा एक नाबालिग के साथ मिलकर योगेंद्र की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

किशोरी से रेप और ब्लैकमेलिंग, आरोपी को 20 वर्ष कैद की सजा

रायपुर। उरला थाना क्षेत्र में पांच वर्ष पूर्व 14 साल की किशोरी से रेप एवं ब्लैकमेलिंग के आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश विनय प्रधान की फास्टट्रैक पॉक्सो कोर्ट ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक विमला तांडी के अनुसार, किशोरी से रेप के आरोप में आजम खान उर्फ अज्जू को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। आजम ने वर्ष 2020 में अपने परिचित किशोरी का शादी करने का झांसा देकर रेप किया। इसके बाद किशोरी को लगातार ब्लैकमेल कर आजम रेप करते रहा। गर्भवती होने के बाद किशोरी ने अपने परिजनों का घटना की जानकारी दी। इसके बाद किशोरी के परिजनों ने आजम के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई।

नशे की झोंक में विवाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र के गोंदवारा स्थित एक डेयरी फार्म में आपसी विवाद के चलते हत्या के फरार आरोपी को पुलिस ने घटना के दूसरे दिन गिरफ्तार करने में

कामयाबी हासिल की है। धनेश साहू की हत्या के आरोप में पुलिस ने मूल रूप से उत्तरप्रदेश चित्रकूट निवासी तरूण मिश्रा उर्फ पूनम को गिरफ्तार किया है। धनेश आदतन नशेड़ी है। शराब के नशे में धनेश तथा तरूण के बीच किसी बात को लेकर गुरुवार को विवाद हुआ। उसके बाद तरूण ने धनेश के सिर पर फावड़े से हमला कर हत्या की और फरार हो गया था।

60 हजार की हेरोइन चिट्टा जब्त, धरा गया आरोपी

रायपुर। कबीर नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक को 60 हजार रुपए कीमत की करीब सात ग्राम हेरोइन चिट्टा के

साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हेरोइन चिट्टा के साथ अमृतपाल सिंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अमृतपाल को हीरापुर, वेदांत वाटिका के पास बगैर नंबर प्लेट के एक्टिवा में हेरोइन बेचने ग्राहक तलाशते धर-दबोचा।

पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ जगह बदला गया था सिस्टम अब सभी जगह, कई इलाकों में नेटवर्क की समस्या से आएंगी दिक्कतें

ट्रायल के बाद सभी रजिस्ट्री दफ्तर हुए पेपरलेस, माय डीड ऑनलाइन सिस्टम लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों को 10 जुलाई से पेपरलेस करते हुए माय डीड ऑनलाइन सिस्टम लागू कर दिया गया है। इस नए सिस्टम की शुरुआत पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के कुछ शहरों के रजिस्ट्री दफ्तरों में की गई थी। इन दफ्तरों में नए सिस्टम को मिली सफलता के बाद इसे अब प्रदेशभर के रजिस्ट्री दफ्तरों में लागू किया गया है। हालांकि तकनीकी तथा इंटरनेट नेटवर्क की समस्या के कारण अभी भी कई जिलों के रजिस्ट्री दफ्तरों में नए सिस्टम के तहत रजिस्ट्री शुरू नहीं हो पाई है। इधर विभागीय सूत्रों की मानें, तो जिन जिलों के रजिस्ट्री दफ्तरों में इंटरनेट नेटवर्क की समस्या है, वहां माय डीड सिस्टम को पूर्ण रूप से लागू करने में फिलहाल दिक्कतें आएंगी, क्योंकि वहां अभी भी इंटरनेट नेटवर्क की समस्या बनी हुई है।

हरिभूमि सरोकार

इन दफ्तरों से की गई थी शुरुआत

राज्य सरकार ने माय डीड ऑनलाइन सिस्टम को कुछ माह पूर्व पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया था। इस नए सिस्टम को रायपुर तिल्दानेवरा, नवागढ़ (बेमेतरा), डौंडीलोहारा (बालोद), नगरी (धमतरी) और पथरिया (मुंगेली) में लागू किया था। इन दफ्तरों में नए सिस्टम के तहत लोगों को रजिस्ट्री कराने में मिल रही सुविधा और पारदर्शिता को देखते हुए इसे अब अन्य सभी जिलों के रजिस्ट्री दफ्तरों में भी लागू किया है।

इंटरनेट नेटवर्क की समस्या अभी भी बनी हुई है

बटांकन-नामांतरण के लिए भी नहीं जाना होगा तहसील

नए सिस्टम के लागू होने से बटांकन और नामांतरण भी रजिस्ट्री दफ्तरों से होंगे। अब तक लोग जमीन को टुकड़ों में रजिस्ट्री कराने तथा नामांतरण के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन नए सिस्टम से अब ये दोनों कार्य भी रजिस्ट्री दफ्तरों से ऑनलाइन होंगे।

माय डीड सिस्टम सभी दफ्तरों में लागू

माय डीड ऑनलाइन सिस्टम प्रदेशभर के रजिस्ट्री दफ्तरों में लागू कर दिया गया है। इस संबंध में 10 जुलाई को मुख्यालय से आदेश जारी हुआ है।

- **विनोज कोचे,** पंजीयक, पंजीयन कार्यालय रायपुर

इन जिलों के रजिस्ट्री दफ्तरों में भी लागू

माय डीड ऑनलाइन सिस्टम को अब बालोद (डल्लीराजहरा), बलौदाबाजार (कसडोल), बलरामपुर (राजपुर), बस्तर (कोण्डागांव), बेमेतरा (साजा), बिलासपुर (मरवाही), दुर्ग (बोरी), गरियाबंद, जांजगीर (अकलतरा), जशपुर (कुनकुरी), कबीरधाम (बोड़ला), कांकेर (भानुप्रतापपुर), कोरबा (पाली), कोरिया (बैकुंठपुर), रायपुर, नवा रायपुर, राजनांदगांव (मोहला), सुरजपुर (प्रतापपुर), सरगुजा (सीतापुर) शामिल है।

पारदर्शी के साथ घर बैठे रजिस्ट्री

नए माय डीड सिस्टम को रजिस्ट्री विभाग में पंजीयन प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का लक्ष्य लेकर लागू किया गया है। इस ऑनलाइन सिस्टम दस्तावेजों की जांच, स्वीकृति और रजिस्ट्री घर बैठे हो जाएगी। नए सिस्टम से रजिस्ट्री दफ्तरों में लगने वाली भीड़ में भी कमी तथा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के काम का बोझ भी घटेगा। नए सिस्टम से फर्जीवाड़ा भी नहीं होगा, क्योंकि पंजीयन विभाग का ऑनलाइन सिस्टम राजस्व विभाग से भी जुड़ा है। इससे जमीन के सारे रिकॉर्ड ऑनलाइन दिखाई देंगे। इससे जमीन का सारा डिटेल सामने आ जाएगा। इससे फर्जीवाड़ा नहीं होगा।

साबुन में छिपाकर लाए गए ब्लेड से किया आशीष शिंदे पर हमला

- जेल प्रबंधन की शिकायत पर गंज पुलिस अपराध दर्ज कर जांच में जुटी

सेंट्रल जेल में गुंडागर्दी, पूर्व सीएम के करीबी पर जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेंट्रल जेल रायपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में ठगी के आरोप में जेल में बंद केके श्रीवास्तव के सहयोगी आशीष शिंदे तथा उसके एक अन्य साथी पर ब्लेड से हमला करने के आरोप में गंज थाने की पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सेंट्रल जेल प्रबंधन की शिकायत पर जेल में बंद चार बदमाशों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

आशीष शिंदे पर हमला करने के आरोप में चंदन सोनी, रोहित तांडी तथा शेख रमजान पर हमला करने के आरोप में के. जसवंत साई, महेश रात्रे के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक घटना दिनांक को मुलाकात के दौरान रोहित तांडी के पास दैनिक उपयोग का सामान भेजा गया था। उसमें साबुन भी शामिल था। उसी साबुन के भीतर रोहित के कहने पर ब्लेड छिपाकर भेजा गया था। शाम पांच बजे के करीब आशीष की बैरक के पास रोहित पहुंचा और पहले से उंगलियों के बीच छिपाकर रखे ब्लेड से रोहित ने आशीष शिंदे के गाल, हाथ तथा शरीर के अन्य हिस्सों में वार कर दिया। रोहित तांडी हत्या की कोशिश के आरोप में सजा काट रहा है। बताया जा रहा है, रोहित का आशीष के साथ पुराना विवाद था, इसी पर उसने उस पर हमला किया। इसी दौरान एक अन्य घटना में विचाराधीन बंदी शेख रमजान पर बंदी महेश रात्रे और के. जसवंत द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया।

घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई

जेल में आशीष शिंदे पर ब्लेड से हमला करने की घटना सामने आने पर जेल प्रबंधन ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। जेल कर्मियों ने शुक्रवार को जेल की सभी बैरकों की जांच की। बैरक की जांच में क्या मिला, इस संबंध में फिलहाल किसी तरह की जानकारी निकलकर सामने नहीं आई है। इसके अलावा पेशी से लौटे बंदियों की बारीकी से जांच की गई।

न्यूरोलॉजी हास्टल के लिए प्रस्तावित जमीन बना अघोषित यार्ड, कबाड़ हो चुकी गाड़ियां डंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पुराने डीएमई दफ्तर के तहसील बनते ही कबाड़ वहां शिफ्ट

लगातार उपयोग के बाद कंडम हो चुकी गाड़ियों की नीलामी की योजना अधूरी रह गई है और कबाड़ हो चुके वाहनों की वजह से न्यूरोलॉजी विभाग के हास्टल की प्रस्तावित जमीन डंपिंग यार्ड के रूप में तब्दील हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य शासकीय कार्यालयों के वाहन पहले पुराने डीएमई कार्यालय के सामने पड़े थे, जिसे तहसील बनने के बाद वहां शिफ्ट कर दिया गया है।

कुछ समय पहले इसी स्थान पर डीके अस्पताल का मेडिकल वेस्ट डंप किए जाने को लेकर काफी विवाद हुआ था। आपत्ति के बाद मेडिकल वेस्ट तो हटा लिए गए थे, मगर इन कबाड़ हो चुके वाहनों की वजह से नई समस्या उत्पन्न होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि कबाड़ के नाम पर वहां वाहनों के ढांचे पड़े हैं, जो असामाजिक तत्वों की नजर में हैं और वे धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार ये ⏭शेष पेज 12 पर

हेल्थ सेंटरों में भी पड़ी हैं एंबुलेंस

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरुआती दौर में 108 संजीवनी एक्सप्रेस के रूप में संचालित करने के लिए खरीदी गई एंबुलेंस पुरानी होने के बाद विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में डंप कर दी गई थीं जो पड़े-पड़े खराब हो गईं। इन वाहनों की तरफ इसलिए भी ध्यान नहीं दिया गया, क्योंकि योजना के तहत संबंधित कंपनी नयी एंबुलेंस लेकर आई थी। अभी राजधानी के कालीबाड़ी स्थित टीबी अस्पताल, माठागांव और खोखोपारा के हमर अस्पताल के बाहर ये वाहन खराब होते पड़े हैं।

इंजीनियरिग छात्र सीखेंगे भारतीय संगीत नाट्य और चित्रकला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खैरागढ़ विवि और ट्रिपलआईटी रायपुर अब मिलकर प्रदेश की सांस्कृति धरोहरों का संरक्षण करेंगे। इंदिरा कला संगीत विवि खैरागढ़ एवं डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के मध्य इसे लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- ट्रिपलआईटी के साथ मिलकर खैरागढ़ विवि करेगा सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण
- स्थापित किया जाएगा डिजिटल ह्यूमैनिटीज सेंटर

ट्रिपलआईटी प्रबंधन के मुताबिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किए गए प्रावधानों के अंतर्गत यह प्रयोग किया जा रहा है। दोनों विवि मिलकर एक ' डिजटल ह्यूमैनिटीज ' केंद्र की स्थापना करेंगे। इसके माध्यम से सामूहिक शोध, सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण-संवधर्न किया जाएगा। इसके अलावा शिक्षा और शोध कार्यों को लेकर अन्य प्रयोग भी दोनों शैक्षणिक संस्थान मिलकर करेंगे। छात्र स्थानीय परिवेश से जुड़ सकें और उनमें सांस्कृतिक जुड़ाव उत्पन्न हो, इसके लिए संयुक्त परियोजनाएं भी चलाई जाएंगी। शुक्रवार को खैरागढ़ विवि की कुलपति प्रो.लवली शर्मा और ट्रिपलआईटी निदेशक प्रो.ओमप्रकाश व्यास ने उक्त ओएमयू पर हस्ताक्षर किए। ⏭शेष पेज 12 पर

कृषि पाठ्यक्रम में अब स्पॉट काउंसिलिंग, नहीं भरी सीटें तो 12वीं के आधार पर होंगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विवि में पहले चरण की काउंसिलिंग के बाद रिक्त गई सीटों के लिए दूसरे चरण की काउंसिलिंग 21 जुलाई से प्रारंभ होगी। दूसरे चरण में स्पॉट काउंसिलिंग के माध्यम से दाखिले दिए जाएंगे। इसमें वे ही छात्र हिस्सा ले सकेंगे, जिन्होंने प्रथम चरण की प्रक्रिया में पंजीयन कराया था, लेकिन उनका नाम सूची में नहीं आ सका। दूसरे चरण की काउंसिलिंग के बाद भी यदि सीटें रिक्त रह जाती हैं तो छात्रों को 12वीं कक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। अर्थात ऐसे छात्र भी आवेदन के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने प्री एग्रीकल्चर टेस्ट में हिस्सा नहीं लिया है। प्रथम चरण की काउंसिलिंग के बाद केवल 154 सीटें ही बची हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रबंधन को उम्मीद है कि छात्रों को 12वीं के आधार पर दाखिले देने की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

- पहले चरण की काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह गई हैं 154 सीटें

दूसरे चरण की काउंसिलिंग 21 से, जिनके नाम पहले ही सूची में उन्हें फीस भरने आज अंतिम मौका

जेईई मेन के आधार पर भी दाखिले

कृषि विवि में बीटेक कृषि अभियांत्रिकी और (कृषि अभियांत्रिकी) एवं बी.टेक. (फूड टेक्नोलॉजी) के लिए भी दाखिले प्रारंभ हैं। बीटेक कृषि अभियांत्रिकी एवं बीटेक फूड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए द्वितीय चरण की काउंसलिंग 28 से 30 के बीच आयोजित की जाएगी। पीईटी, जेईई मेंस या 12वीं (गणित समूह) उत्तीर्ण योग्य अभ्यर्थी 16 से 23 जुलाई के बीच विवि की वेबसाइट में जाकर दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। मेरिट लिस्ट 26 जुलाई को वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। छत्तीसगढ़ निवासियों को प्रवेश देने के बाद शेष रिक्त सीटें अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों से भरी जाएंगी।

दस्तावेज सत्यापित लेकिन नहीं भरी फीस

कृषि विवि में बीएससी एग्रीकल्चर की 2015 सीटें हैं। इनके लिए 3982 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 1861 छात्रों को सीटें आवंटित कर दी गई हैं। 1284 का दस्तावेज सत्यापन हो चुका है, लेकिन फीस भुगतान केवल 829 छात्रों ने ही किया है। इन छात्रों के लिए फीस फीस भुगतान की अंतिम तिथि जुलाई तय की गई है। काउंसलिंग के द्वितीय चरण में 21 जुलाई से स्पॉट काउंसलिंग शुरू होगी। 21 जुलाई को शेष रिक्त सीटों का आबंटन किया जाएगा। 22 और 23 जुलाई को दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। विवि ने छात्रों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करें।

भारतमाला परियोजना घोटाला, तत्कालीन एसडीएम की अग्रिम जमानत खारिज

रायपुर। भारतमाला परियोजना में भूमि-अधिग्रहण मुआवाजा राशि घोटाला में रायपुर के तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू का ईओडब्लू, एसीबी की कोर्ट ने अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिया है। गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए साहू ने अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन लगाया था। एसडीएम ⏭शेष पेज 12 पर

- आवेदन के पक्ष में तर्क देते हुए कहा था कि घोटाले के समय वे पदस्थ नहीं थे

शराब घोटाले में आबकारी अधिकारियों की अग्रिम जमानत खारिज

रायपुर। शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए 28 आबकारी अधिकारियों ने चालान पेश होने के बाद अग्रिम जमानत के लिए ईओडब्लू तथा एसीबी की स्पेशल कोर्ट में आवेदन दाखिल किया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। 12 दिन पूर्व ईओडब्लू तथा एसीबी ने 2170 करोड़ रुपए के शराब घोटाला में 29 ⏭शेष पेज 12 पर

- 28 आबकारी अधिकारियों ने ईओडब्लू की स्पेशल कोर्ट में पेश किया था आवेदन

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

सीएम से श्री हरदेव लोधी समाज ने की मुलाकात

आरंग। श्री हरदेव लोधी समाज परिक्षेत्र आरंग के प्रतिनिधियों ने आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर आगामी 16 अगस्त को अमर शहीद वीरांगना अवंती बाई लोधी की जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने लोधी समाज के विभूतियों और देश तथा प्रदेश में लोधी समाज के योगदान को याद करते हुए समाज की तारीफ की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री हरदेव लोधी समाज के आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर कार्यक्रम में आने की इच्छा जाहिर की है। इस दौरान नगर पालिका परिषद आरंग के पार्षद नरेंद्र लोधी, संतोष लोधी, श्री हरदेव लोधी समाज के अध्यक्ष शैलेन्द्र लोधी, उपाध्यक्ष टुकेश्वर लोधी, सह सचिव कुबेर लोधी, सलाहकार गजानंद गारूडिक, गणपत राम लोधी, इकाई प्रमुख टेकचंद लोधी व गजानंद लोधी उपस्थित रहे।

स्वच्छता दीदियों को किया सुरक्षा किट का वितरण

अभनपुर। नगर पालिका अभनपुर मे स्वच्छता दीदीयो को ग्लब्स, रैनकोट, शूज एवं साड़ी किट प्रदान की गई इस अवसर पर जिला पंचायत यशवंत साहू पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी,पार्षद रानू राठी,डोमेन्द्र साहू, नीलकमल गिलहरे,दीक्षा राठी,चंपा लेदेकर,मीना साहू,हिम्मत सिंह,सोनजीत ध्रुव सहित आदि जनप्रतिनिधियो के हाथो यह किट प्रदान की गई है स्वच्छता दीदीयो को इस प्रकार की पहली बार सामग्री मिलने से अध्यक्ष सहित सभी पार्षदो को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

विरोध : वृद्धि वापस नहीं लेने पर कांग्रेस ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

बिजली दरों में वृद्धि व अघोषित कटौती के विरोध में ब्लाक कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

प्रदेश एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसींवा ने आज राज्य सरकार द्वारा बिजली बिल में की गई बढ़ोतरी और अघोषित बिजली कटौती के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान कनिष्ठ यंत्री को ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई दरों को वापस लेने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा ने इस अवसर पर सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिजली बिल वृद्धि तत्काल वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। उन्होंने किसानों की समस्याओं पर जोर देते हुए कहा, /"वर्तमान में फसल की रोपाई का समय है और अघोषित बिजली कटौती से किसान भाई-बहनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे खेती का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।/" कांग्रेस पार्टी ने मांग की है कि बिजली कटौती तुरंत बंद की जाए और किसानों को बिना किसी बाधा के बिजली उपलब्ध कराई जाए। इस प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक श्रीमती अनीता योगेंद्र शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष श्री दुर्गेश वर्मा, श्री हरिशंकर साहू, पार्षद श्री जयंत साहू, श्रीमती दोमेश्वरी वर्मा, छाया पार्षद श्री गावेश साहू, श्री दशरथ वर्मा, श्री सुरेश साहू, श्री भोला, श्री देवेंद्र, श्री मनोज शर्मा, श्री संदीप, तारकेश्वर श्री राजू सायथोडे, श्री सुरेश कुमार साहू, श्री सुरेश पांडे, श्री नीतू साहू, श्री दिलदार, श्रीमती मंजू वर्मा, श्री भोला विश्वकर्मा, श्री नरेंद्र वर्मा, श्री बुधराम, श्री उमेश, श्री सखाराम, श्री पवन निषाद, ईश्वर निषाद, प्रमोद शर्मा, सरपंच साहिल खान, गोलू यादव, बालमुकुंद जी, ढालेंद्र वर्मा, पिंकी यादव, मनोज, सचिन विक्की वर्मा, अंजित सायतोडे, प्रदीप गोस्वामी, सखा राम ध्रुव, रोशन गोस्वामी, दीनानाथ सायतोडे, नीलू परगनिया, पवन निषाद, विक्की वर्मा, तारकेश्वर वर्मा, रवि लहरी, तोरण साहू, अनिरुद्ध शर्मा सहित सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा पर किसानों और आम उपभोक्ताओं पर अन्याय करने का लगाया आरोप

बिजली दरों पर कांग्रेस ने निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

तिल्दा नेवरा। राज्य सरकार द्वारा बिजली दरों में चौथी बार वृद्धि की है जिसमें घरेलू,सी गैर घरेलू , एवं कृषि की बिजली की दरों में वृद्धि की गई है, इसके विरोध में आज शुक्रवार को दोपहर में कांग्रेसियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक से रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए बिजली ऑफिस पहुंचे और वहां पर ज्ञापन दिया गया। इस बीच कांग्रेसियों ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की साथ ही बिजली दर को वापस लेने एवं अघोषित विद्युत कटौती को बंद करने की मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी, तिल्दा शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवादास टंडन, ग्रामीण अध्यक्ष बलदाऊ साहू, गजानंद वर्मा, कैलाश गांधी, मोती हिंदुजा, के कृष्णमूर्ति , माखन साहू , विजय सोनू मारखंडे , रामेश्वर यादव, राजेश जेठवानी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित हुए।

9 लाख नकद व 5 किलो गांजा जब्त, आरोपी युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

अभनपुर बस स्टैण्ड मे अवैध रूप से भारी मात्रा मे मादक पदार्थ गांजा ब्रिकी करने लेकर जा रहा व्यक्ति को अभनपुर पुलिस गिरफ्तार कर उसके पास से 4 किलो 500 ग्राम गांजा एवं एक नग रेडिमी कंपनी का मोबाइल सहित प्रदीप चंन्द्राकर उम्र 48 वर्ष वार्ड नंबर 10 का निवासी को गिरफ्तार किया गया है। अभनपुर थाना प्रभारी सत्येन्द्र सिंह श्याम को सूचना मिलते ही अपनी टीम के साथ बस स्टेण्ड अभनपुर आ रहे थे इसी दौरान आरोपी प्रदीप चन्द्राकर पैदल अपनी घर की ओर जा रहा था घेराबंदी कर उसे पकडकर बैग की तलाशी ली गई जिसमे 4 किलो 500 ग्राम गांजा व 40 हजार नगदी मिला इसके बाद आरोपी के घर मे छापेमारी की गई इस दौरान उसके शयनकक्ष के दीवान पलंग मे 8 लाख 60 हजार रूपये नगद बरामद किया गया आरोपी के पास से मादक पदार्थ गांजा एवं नगदी सहित कुल 9 लाख 52 हजार रूपये जप्त कर धारा 20(ख) नारकोटिक एक्ट के तहत कार्यवाही किया जा कर गिरफ्तार करके ज्यूडिशियल रिमांड पर न्यायालय रायपुर रवाना किया गया। अभनपुर थाना प्रभारी सत्येन्द्र सिंह श्याम ने बताया कि उपरोक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेन्द्र सिंह,अतरिक्त पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर विवेक शुक्ला,नगर पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर कर्ण कुमार उइके द्वारा क्षेत्र मे निजात नशा मुक्ति कार्यक्रम के तहत प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश के परिपालन मे क्षेत्र मे कड़ी कार्यवाही की जा रही है गांजा तस्कर को पकडने मे उप निरीक्षक भीम कुमार सोम,प्रधान आरक्षक बलराम धुरव,आरक्षक धनेश रात्रे,मुलायम सिंह कुंजाम,दिनेश उपाध्याय की प्रमुख भूमिका रही।

डॉ.बघेल जयंती पर आज महापुरुषों की प्रतिमाओं का करेंगे अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा/तरपोंगी

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वप्नदृष्टा और कुर्मी समाज के प्रेरणास्रोत डॉ. खूबचंद बघेल की 125वीं जयंती आज 19 को रायपुर में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर मनवा कुर्मी समाज द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के कई ऐतिहासिक महापुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवीन मार्केट, फूल चौक में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा का अनावरण होगा। इसके अलावा, नरदाहा भवन में समाज के अन्य महान विभूतियों की प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी। इनमें छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभभाई पटेल, स्वामी आत्मानंद, दाऊ भोला वर्मा, दानवीर तुलाराम परगनिहा और स्व. अनंतराम बर्छिहा शामिल हैं। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप ने बताया कि डॉ. खूबचंद बघेल ने ही सबसे पहले अलग छत्तीसगढ़ राज्य की कल्पना की थी। वे न केवल कुर्मी समाज, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उनके संघर्ष और दूरदर्शिता ने ही आज के छत्तीसगढ़ की नींव रखी। इस अवसर पर त्रिस्तरीय पंचायत, नगर निगम और नगर पालिका चुनावों में विजयी जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, समाज के लिए योगदान देने वाले दानदाताओं को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा। खोड़स कश्यप ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एकता को मजबूत करना और युवाओं को महापुरुषों के विचारों से प्रेरित करना है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों—व्यापारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और युवाओं—से कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। दस राजों के राज प्रधान और पदाधिकारी भी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन न केवल डॉ. बघेल को श्रद्धांजलि है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत को संजोने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

खुटेरी शाला प्रबंध व विकास समिति के राजेंद्र अध्यक्ष बने

आरंग। ग्राम पंचायत खुटेरी स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम की सरपंच किरण बाला ओमप्रकाश चेलक ने की। गठन प्रक्रिया में शिक्षकों, पालकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शी रूप से समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से राजेन्द्र यादव को समिति का अध्यक्ष जानाबाई ध्रुव, उपाध्यक्ष टीकम चंद देवांगन, सचिव पिंकी ध्रुव, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण यादव, शिक्षाविद एवं आसबती यादव खिलेश्वरी यादव, कामिनी रात्रे, प्रभा यादव, राकेश बांधे, मन्नूलाल रात्रे, शिवकुमार यादव, घासुराम यादव, दयादास जांगड़े, राकेश यादव व ललिता ध्रुव सदस्य मनोनीत किये गए। गठन समारोह को संबोधित करते हुए सरपंच श्रीमती चेलक ने कहा कि शाला विकास समिति विद्यालय के शैक्षणिक और भौतिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मटिया व लालपुर लाइमस्टोन खदानों की नियम विरुद्ध 70 फीट की खुदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

धरसींवा ब्लॉक में स्थित ग्राम पंचायत मटिया, लालपुर सहित कुछ गांवों में लाइमस्टोन पत्थर की लगभग 200 एकड़ में फैली खदान आज चंद मुट्ठी भर लोगों की करतूतों और सरकारी तंत्र की घोर लापरवाही का जीता-जागता सबूत बन चुकी है। 70 फीट से भी ज्यादा गहरी यह खदान, जिसे स्थानीय लोग 'मौत की खाई' कहते हैं, न सिर्फ आसपास के ग्राम पंचायत मटिया और लालपुर सहित चार गांवों की 6000 की आबादी के लिए खतरा बन गई है, बल्कि यह करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान और खनिज विभाग की संदिग्ध भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

- बिना एनओसी लिए खुदाई जारी, रायल्टी के लाभ से पंचायत वंचित
- राजनीति संरक्षण में चल रहा है गोरखधंधा, ग्रामीणों को जान का खतरा

राजनीतिक संरक्षण में फल-फूल रहा अवैध धंधा

यह समझना मुश्किल नहीं है कि बरसों से चल रही इस असुरक्षित और अवैध गतिविधियों को आखिर कैसे इतनी छूट मिल रही है। ग्रामीणों की शिकायतें, यहां तक कि जिला पंचायत की सामान्य सभा में उठा मुद्दा भी अनसुना कर दिया गया। यह स्थिति सीधे तौर पर सत्ता के गलियारों में बैठे कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण की ओर इशारा करती है।

खनन रॉयल्टी पंचायत का हक

ग्राम पंचायतों को उनके क्षेत्र में हो रहे खनन से मिलने वाली रॉयल्टी और अवैध खनन गतिविधियों को लेकर मटिया और लालपुर ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उन्हें न तो खनिज रॉयल्टी मिल रही है और न ही खनन कार्यों के लिए उनसे अनापत्ति प्रमाण पत्र (**NOC**) लिए जा रहे हैं, जबकि कई स्थानों पर तो अवैध रूप से खदानों का संचालन हो रहा है। ग्राम पंचायत मटिया की सरपंच, श्रीमती खोमिन भीम वर्मा ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, /"विगत 30 वर्षों से ऊपर से हमारी ग्राम पंचायत की खदानों से हमें किसी भी प्रकार से खनिज की रॉयल्टी नहीं मिली है।

कार्रवाई की जाएगी

ग्राम पंचायत मटिया और लालपुर क्षेत्र की खदानों की जांच के बाद ही पता चलेगा खदान वैध है या अवैध, संबंधित पत्थर खदान, गिट्टी खदान इसका निर्धारण केवल खनिज विभाग ही कर सकता है। मैं इसकी जांच करवाता हु।

-देवेंद्र पटेल, अपर कलेक्टर

शिकायत पर कार्रवाई नहीं

इसी कड़ी में, ग्राम पंचायत लालपुर के सरपंच श्री केवल साहू ने अपनी पंचायत की सीमा में चल रहे अवैध खनन पर गंभीर चिंता व्यक्त की। कई बार इसकी शिकायत की है, लेकिन हमारी बात कोई नहीं सुनता। अगर इन खदानों का संचालन सरकार के कानून के तहत हो रहा है, तो हमें पंचायत में राजस्व क्यों नहीं मिल रहा? यह राजस्व हमारा हक है और हमें मिलना ही चाहिए।

बाइक चलाते नाबालिग पकड़ाया, पिता से 6 हजार की वसूली की

तिल्दा नेवरा। नाबालिक को मॉडिफाईं बुलेट वाहन देकर चलवाने वाले पर तिल्दा पुलिस नें की कार्यवाही मोटर व्हिकल एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए कुल 6000 हजार रुपये का समन्स शुल्क वसूला गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में तिल्दा नेवरा पुलिस के द्वारा सडक दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिये लगातार कार्यवाही कर रही है, शुक्रवार शाम को तिल्दा पुलिस पेट्रोलिंग के द्वारा एक व्यक्ति बुलेट वाहन को मॉडिफाई साइलेंशर लगाकर तेज कर्कस आवाज के साथ बुलेट वाहन को चला रहा था जिसे पेट्रोलिंग बल के द्वारा रुकवाकर नाम पता पूछने पर उस नाबालिग के पिता को बुलाकर मोटर व्हिकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तरह कार्यवाही करते हुए 6000 रुपये का समन्स शुक्ल वसूला गया साथ हीं मॉडिफाईं साइलेंसर को जप्त किया गया। तिल्दा नेवरा पुलिस आमजनों से यातायात नियमों का पालन करने ,तेज गति से वाहन नहीं चलाने, नाबालिकों को वाहन नहीं देने की अपिल की है। साथ ही तिल्दा पुलिस के द्वारा भविष्य में भी कार्यवाही लगातार जारी रखेगी।

एक पेड़ मां के नाम पर गुजरा में पौधारोपण

आरंग। शुक्रवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुजरा में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर के खेल मैदान के चारों ओर समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत अशोक के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य भानुप्रताप डहरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर टीकराम साहू, विष्णु ब्रह्मदेव, वर्षारानी गुप्ता, ललीमा चंद्राकर, गंगाधर बिंझाड़ेकर, खुशबू मिश्रा, डामनलाल साहू, यज्ञप्रभा, मृदुला वाणी, शारदा देवदास, हेमलता पटेल एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ एक एक पेड़ लगाकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ली।

पत्र क्र. 21763/ न.पा.नि./ जोन-9/2025, रायपुर, दिनांक 03.07.2025

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 21763

वार्ड का नाम- 08 महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226H00479** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **CHAKRESH JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE SABU LAL JAIN** के नाम से दर्ज हैं जिसको श्री/श्रीमती **NARESH KUMAR MACHADE** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O PUNAJI MACHADE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे।

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर) जोन क्र. 9
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- **रायपुर** तहसील- **रायपुर** प.ह.न.- **00082 सेजबहार** ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- **RD202425440727100194**

।। ईश्तहार ।।

तहसील **रायपुर** के प.ह.न. **00082** के अंतर्गत ग्राम **सेजबहार** के वर्तमान भूमिस्वामी **पुष्पलता सिंह पिता/पति- एस डी सिंह पता एम आई जी 672 सेक्टर 3 डी डी यु नगर रायपुर** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक **162/260(0.0084)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **हेमंत कुमार मन्नेवार पिता लक्ष्मी प्रसाद मन्नेवार पिता/पति- गीतांजली मन्नेवार पति हेमंत कुमार मन्नेवार पता मकान नं- 186, बोरिया रोड, भैरव नगर, वार्ड नं- 52, रायपुर** के नाम पर पंजीयन/ फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **05/08/2025** को समय सुबह 11 बजे स्थान **न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **18/07/2025** को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
Rakesh Dewangan
रायपुर

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 12289 दिनांक 22.11.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एम.आई.जी.-1 फ्लैट, मीड-तल- 5/308 को श्री पुनमचंद ओझा पिता स्व. श्री सुखराम ओझा एवं श्रीमती कौशल्या ओझा पति श्री पुनमचंद ओझा, पताः- दीर्घायु नर्सिंग होम के पास, गोल चौक रोड़ रोहिनीपुरम, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर स्ववितीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। श्री पुनमचंद ओझा पिता स्व. श्री सुखराम ओझा की मृत्यु दिनांक 15.05.2025 को हो गया है। श्रीमती कौशल्या ओझा पति स्व. श्री पुनमचंद ओझा ने अपने पति श्री पुनमचंद ओझा की मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर यथावत रखने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन को श्रीमती कौशल्या ओझा पति स्व. श्री पुनमचंद ओझा के नाम पर यथावत रखने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल 12 - रायपुर

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 09.07.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नम्रता यादव पिता विष्णु प्रसाद निवासी यादव पारा, अहिवारा जिला- दुर्ग द्वारा आवेदित भूमि ग्राम रायपुर खास पटवारी हल्का नंबर 62 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-12 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1395/4 रकबा 0.1210 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 01/07/2025 के परिपालन में दिनांक 22/07/2025 को समय 12:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 62 के पुजारी काम्पलेक्स पचपेड़ी नाका टिकरापारा रायपुर में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकार के दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

रा.नि.मं. 12
रायपुर

आम सूचना का खण्डन

7 जुलाई 2025 को श्री एस.एस. कुशवाहा, अधिवक्ता द्वारा अपने पक्षकार एस.के. देवांगन पिता नरसिंह देवांगन, पता-चंगोराभाठा रायपुर की ओर से दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि में ग्राम रायपुरा स्थित खसरा नम्बर 136 रकबा 15.49 एकड़ के क्रय-विक्रय के संबंध में प्रकाशित आम सूचना का मैं अपने पक्षकार की ओर से निम्नानुसार खंडन करता हूँ। रायपुरा स्थित उपरोक्त भूमि के अतिरिक्त लकड़गंज अस्पताल वार्ड, रायपुर स्थित नजूल भूमि ब्लॉक नम्बर 98 प्लाट नम्बर 3/16, 3/17, 3/29, 18/2, 18/3, 19/3, 21/1, 3/56, 18/4, 19/4, 21/3 तथा ब्लॉक नम्बर 99, प्लाट नं. 1/2 कुल रकबा 7950 वर्गफुट नजुल जमीन तथा रायपुरा स्थित खसरा नम्बर 137 व 130/7 कुल रकबा 18.036 हेक्टेयर अर्थात 44.55 एकड़ कृषि भूमि मेरे पक्षकार के नाना स्वर्गीय रिखीराम जी की पुश्तैनी संपत्ति हैं व्यवहार न्यायालय के आदेश एवं डिक्री से हुए पारिवारिक बंटवारा में रिखीराम के हिस्से की संपत्ति सायत्रा बाई को प्राप्त हुई है। चूँकि उक्त संपत्ति सायत्रा बाई या मधुर भूरे की स्वअर्जित संपत्ति नही है, इसलिए उन्हें वसीयत या अन्य माध्यम से विक्रय अथवा अंतरण करने का कोई विधिक अधिकार नही है। रिखीराम की मृत्यु उपरांत उक्त संपत्ति के दो उत्तराधिकारी उसकी पत्नी सायत्रा बाई तथा पुत्री इंदिरा बाई हुए। इंदिरा बाई का विवाह लक्ष्मण राव भूरे के साथ संपन्न हुआ, जिनसे 5 पुत्र क्रमशः मधुकर राव बलवंत राव, जयप्रकाश, चंद्रकान्त, श्यामसुंदर तथा 7 पुत्रियां विमला, कमल चन्द्रकला, शकुंतला, आशा, सुनंदा, सुषमा है । रिखीराम 1947 में सायत्रा बाई 1979 में इंदिरा बाई 2004 में तथा लक्ष्मण राव भूरे की पूर्व में मृत्यु हो चुकी है। इसलिए निर्विवाद रूप से इंदिरा बाई के उपर लिखित 12 संताने ही उपरोक्त संपत्ति के विधि मान्य उत्तराधिकारी है। कूटरचित दस्तावेजो से या अधिकारिताविहीन व्यक्ति से किया गया संव्यवहार जो प्रारंभ से ही शून्य एवं निष्प्रभावी रहा हो, उससे किसी क्रेता को कोई स्वत्व या अधिकार प्राप्त नही हो सकता, क्योंकि जब विक्रेता को ही विक्रय करने का अधिकार नही है, इसके बावजूद भी यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार से कोई संव्यवहार या क्रय विक्रय करता है तो वह संव्यवहार मेरे पक्षकारो पर बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.) — **भवदीय**
दिनांक 18/07/2025 — **विवेकानंद भोई अधिवक्ता**
बसंत पार्क, गुरु तेगबहादुर नगर, पुरैना, रायपुर छ.ग. मो. नं. 9329355595

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-18, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मुजगहन प.ह.नं. 82 रा.नि.मं. रायपुर-18 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में आवेदक उर्मिला यादव पति राजधर यादव निवासी धर्म नगर पचपेड़ी नाका रायपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 26/67 रकबा 0.0455 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. / /वाचक/ तहसीलदार/ 2025 रायपुर दिनांक 02.07.2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक 22.07.2025 को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नही होगी। सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-18

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953 एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज
मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा

डॉ. वैभव राज सिंह
एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन
(MBBS, MS Surgery)
Laporoscopic Laser Surgeon
Call 9890716410

लेजर पाईल्स क्योर
पाइल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी

श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

विपक्ष बोलाः विधानसभा में पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठना था, इसलिए ईडी ने लिया एक्शन

हसदेव-अरण्य में पेड़ कटाई का स्थगन खारिज, कांग्रेस ने किया बहिष्कार, ईडी की कार्रवाई पर भी उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य कांग्रेस विधायकों ने हसदेव अरण्य में पेड़ कटाई का मुद्दा जोर-शोर से उठाते हुए स्थगन पर चर्चा कराने की मांग रखी। स्पीकर डॉ. रमन सिंह के विपक्ष के स्थगन को अस्वीकार करने पर सदन में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन दोबारा शुरू होने पर कांग्रेस ने मुद्दे को लेकर फिर से हंगामा शुरू कर दिया। महंत ने सदन में पूछा कि क्या सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था से काम कर रही है या मोदी की व्यवस्था पर। कांग्रेस ने कहा, हमारे परिवार के लोगों पर ईडी की कार्रवाई कर दबाव बना रही है। उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने हसदेव अरण्य में पेड़ कटाई का मुद्दा उठाते हुए कहा, कोयला खनन के नाम पर जंगल उजाड़ना सही नहीं है। ग्राम सभा की स्वीकृति नहीं ली गई, फिर भी खनन शुरू कर दिया गया। कांग्रेस विधायक दल ने इसका विरोध करते हुए कहा, स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा होनी चाहिए।

मुझे हिरासत मे लिया था : सिदार

कांग्रेस विधायक विद्यावती सिदार ने कहा, खनन के नाम पर तमनार क्षेत्र में अन्याय हो रहा है। पेड़ों की कटाई से जंगल खत्म हो रहा है। भाजपा एक पेड़ मां के नाम पर लगाती है, लेकिन मेरे क्षेत्र में पेड़ों की कटाई निरंतर हो रही है। विरोध करने पर पुलिसबल ने बर्बरतापूर्ण तरीके से मुझे हिरासत में लिया था। कांग्रेस विधायक लालजीत सिंह राठिया ने कहा, मेरे क्षेत्र में फर्जी प्रस्ताव लाकर पेड़ों की कटाई की जा रही है।

ईडी के खिलाफ आज प्रदेशभर में प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पीसीसी ने सभी जिला मुख्यालयों में 19 जुलाई को पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन के निर्देश दिए हैं। प्रदर्शन में कांग्रेस के सांसद, विधायक, पार्षद, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर जिस तरह से छापा मारा, वह पूरी तरह से बदले की राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बघेल के परिवार को डराने और धमकाने की कोशिश की गई। छत्तीसगढ़ की जनता अब इस सरकार से बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है।

उद्योगपति को सीधे लाभ

कांग्रेस विधायक द्वारिका यादव ने कहा कि तमनार ब्लॉक में जंगल को उजाड़ा जा रहा है। एक उद्योगपति को लाभ पहुंचाने के लिए जंगल खत्म किया जा रहा है। अपराधों को रोकने में पुलिस नाकाम है, लेकिन जंगल कटाई हो सके, इसके लिए पुलिस बल तैनात है। कांग्रेस विधायक विक्रम उसेंडी ने कहा कि सरकार की ओर से तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है। विधायक अनिला भेंड़िया ने कहा कि जंगल के बहाने आदिवासियों को खत्म किया जा रहा है। मूल निवासियों को खत्म किया जा रहा है।

विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सदन में पूछा कि क्या सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था से काम कर रही है या मोदी की व्यवस्था से। डॉ. महंत ने कहा, जिस तरह से ईडी छापेमारी कर रही है, वह हम पर दबाव बनाने तथा हमें और हमारे परिवार के सदस्यों को परेशान करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, हमारे बेटे को उसके जन्मदिन पर (ईडी ने) उठा लिया है।

छत्तीसगढ़ जन विश्वास विधेयक को मंजूरी, राज्य के कुछ कानूनी प्रावधानों का होगा गैर अपराधीकरण

रायपुर। विधानसभा में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन विधेयक 2025 पारित किया गया। यह विधेयक ईज आफ लिविंग और डूइंग बिजनेस के लिए विश्वास आधारित शासन को बढ़ावा देने के लिए अपराधों के अपराध मुक्त और तर्क संगतिकरण के लिए कुछ संशोधन किए गए हैं। मोटे तौर पर इसे इस तरह देखा जा सकता है कि पूर्व के जिन कानूनों में तीन महीने या छह महीने तक जेल की सजा थी, अब उसकी जगह अर्थदंड लगाया जाएगा। विधानसभा में यह विधेयक श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने पेश किया था। विधेयक लाने के पीछे कारण और उद्देश्य में बताया गया है कि राज्य में प्रवृत्त विभिन्न विधियों में उनके उल्लंघन की स्थिति में जुर्माना या और कारावास का प्रावधान किया गया है। यह न्यायिक प्रक्रिया प्रशासन के प्रभावी होने को विलम्बित रखता है। साथ ही, उल्लंघन कर्ता व्यक्ति या निकाय को लम्बे समय के लिए उलझा कर रखता है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की दिशा में इन विधियों के संशोधन के लिए भारत सरकार द्वारा भी पहल की गई है। इसलिए अपराध का शमन अपनाकर उल्लंघन कर्ता अभियोजन और संभावित दोषसिद्धि एवं अन्य कानूनी कार्यवाही से बच सकता है। निधियों के उल्लंघनों की स्थिति के गैर-अपराधीकरण करने से जीवन यापन और व्यवसाय करने में सहजता बढ़ेगी। इससे विश्वासमय शासन की स्थापना हो सकेगी।

लंबे समय से कानून में बदलाव नहीं हुआ

राज्य में कई विधियों में आर्थिक दंड की सीमा में लम्बे समय से कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इससे उल्लंघन कर्ता के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही नहीं हो पाती एवं कई बार दंड के शुल्क की प्राप्ति की तुलना में न्यायिक प्रक्रिया में अधिक व्यय कारित हो जाता है। उल्लंघन के विरुद्ध प्रभावी प्रक्रिया कायम करने एवं प्रक्रिया को तर्कसंगत बनाने के लिए यह विधि निर्मित की जा रही है।

अब हुआ ये बदलाव

इस संशोधन विधेयक से ये बदलाव होंगे। छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम का उल्लंघन करने पर तीन महीने का कारावास या पचास हजार रुपए जुर्माना का प्रावधान था, अब इसमें 50 हजार रुपए जुर्माना लिया जाएगा। छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण एक्ट के उल्लंधन पर अब पांच सौ की जगह 1 हजार जुर्माना लगेगा। आबकारी अधिनियम में की एक धारा में एक साल कारावास और पांच हजार जुर्माने की जगह अब केवल जुर्माना 25 हजार रुपए लगेगा। यह विषय खुले स्थान पर शराब पीने से संबंधित अपराध को लेकर है। इसी तरह छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी एक्ट के तहत कोई अगर दस्तावेज पेश करने से इंकार करता है तो उस पर पहले दो सौ से पांच सौ जुर्माना होता था, अब यह राशि दो हजार से पांच हजार रुपए होगी। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम धारा 145 में जुर्माना 200 रुपए की जगह एक हजार रुपए लिया जाएगा। खास बात ये है कि छत्तीसगढ़ जन विश्वास विधेयक लाने वाला छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य है। इस विधेयक के माध्यम से राज्य के 8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में संशोधन किया गया है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से राज्य के लोगों के व्यावसाय, जीवन यापन में सहजता बढ़ेगी। आम नागिरकों एवं व्यावसायियों को अनावश्यक न्यायालयीन प्रकरणों और उनमें होने वाले व्यय में कमी आएगी।

बोरे बासी उत्सव में घोटाले का आरोप विधायकों की समिति करेगी जांच

छत्तीसगढ़ की पूर्व भूपेश बघेल सरकार एक बार फिर घोटाले के आरोपों के घेरे में है। मामला इस बार बोरे-बासी उत्सव का है, जिसे श्रमिक दिवस पर राजधानी रायपुर में भव्य तरीके से मनाया गया था। आरोप है कि इस आयोजन में 8 करोड़ 50 लाख रुपये की अनियमितता हुई है। इसका खुलासा आरटीआई के जरिए हुआ है, जिसके बाद अब इस मामले में जांच की बात कही जा रही है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान इस घोटाले का मुद्दा बीजेपी विधायक राजेश मूणत ने उठाया। उन्होंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से इस कथित घोटाले का खुलासा करते हुए सदन में मांग की है। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन में साइंस कॉलेज में आयोजित बोरे-बासी कार्यक्रम में फर्जी बिलों के ज़रिए करोड़ों रुपये का गबन किया गया है। यह सारा खेल श्रम विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ है और इस पर तत्काल जांच की जानी चाहिए।

मंत्री ने दिया जांच का भरोसा

सदन में जवाब देते हुए श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने पहले तो विभागीय जांच का भरोसा दिलाया, लेकिन इससे विधायक संतुष्ट नहीं थे, जिसके बाद उन्होंने आखिरकार घोषणा की कि इस घोटाले की जांच अब विधायकों की एक विशेष समिति करेगी। इस पर विधानसभा में मौजूद भाजपा विधायकों ने मंत्री के फैसले का स्वागत किया और कहा, अब दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए।

एससीआर प्राधिकरण विधेयक को मंजूरी, अब राजधानी क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए लेनी होगी पूर्वानुमति

विधानसभा में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक 2025 (एससीआरए एक्ट) को मंजूरी दे दी गई। इस प्राधिकरण के गठन के संबंध में कैबिनेट की पिछली बैठक में मंजूरी दी गई थी। ये विधेयक वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया था। इसी दिन ये विधेयक पारित भी हो गया। खास बात ये है कि यह प्राधिकरण राज्य की सबसे बड़ी संस्था होगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले इस प्राधिकरण का दायरा रायपुर, नवा रायपुर, भिलाई और दुर्ग तक होगा। जरूरत पड़ने पर इसके कार्यक्षेत्र में अभनपुर और राजनांदगांव तक विस्तार भी संभावित है। इस प्राधिकरण के संचालन के लिए व्यापक नियम बनाए गए हैं। राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण विधेयक की रूपरेखा कई बिंदुओं पर आधारित है। इसमें छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र की घोषणा, प्राधिकरण का गठन, प्राधिकरण की शक्तियों का प्रत्यायोजन, प्राधिकरण के कार्य और शक्तियां, समितियां, नियुक्त करने, सलाहकारों से परामर्श करने तथा कार्यात्मक इकाइयां गठित करने के विषय शामिल हैं। इसके साथ ही राजधानी क्षेत्र विकास एवं निवेश योजना तथा क्षेत्र विकास योजना, भूमि के विकास एवं उपयोग को प्रोत्साहन देना, भूमि अधिग्रहण, संयोजन एवं व्ययन, वित्त लेखा बजट एवं अंकेक्षण, विकास शुल्क एवं उपभोक्ता का अधिरोपण,, मूल्यांकन एवं वसूली, राज्य शासन राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं स्थानीय प्राधिकरणों के मध्य संबंध, आदि बिंदुओं के आधार विस्तृत नियम बनाए गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं।

विकास की अनुमति तभी मिलेगी जब...

राजधानी क्षेत्र विकास योजना या किसी क्षेत्रीय विकास योजना के प्रभाव में आने के बाद किसी व्यक्ति या निकाय को उस क्षेत्र में किसी भूमि का उपयोग करने या कोई अन्य विकास कार्य करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक कि ऐसा विकास कार्य राजधानी क्षेत्र विकास योजना तथा अधिसूचित योजनाओं के अनुरूप न हो।

चैतन्य की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल की ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारी पर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित स्तरहीनता का एक नया नमूना बताया। उन्होंने कहा, उनकी गिरफ्तारी पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। यह साबित करता है कि सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने-दबाने की रणनीति पर चल रही है। उन्होंने कहा, नेताओं के परिवार के सदस्यों को निशाना बनाकर राजनीतिक प्रतिशोध लेना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह कार्रवाई न्यायसंगत नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश है।

सुबह 11 बजे से लेकर चर्चा तक का समय सभी से रिजर्व रखने के निर्देश

मोदी आज करेंगे छत्तीसगढ़ के नेताओं से संवाद सीएम साय, विस अध्यक्ष रमन भी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11 बजे के बाद कभी भी छत्तीसगढ़ के 22 वरिष्ठ नेताओं से संवाद करेंगे। ये वो नेता हैं, जिन्होंने कभी न कभी पीएम मोदी के साथ काम किया है। जिन नेताओं के साथ पीएम चर्चा करने वाले हैं, उनको प्रदेश संगठन की तरफ से फोन करके 11 बजे से लेकर आगे का समय पूरी तरह से रिजर्व रखने के लिए कहा गया है। अब तक स्थान के बारे में किसी को बताया नहीं गया है। स्थान की सूचना शनिवार को सुबह दी जाएगी। इसके बाद उस स्थान पर सभी नेता जुटेंगे और पीएम मोदी उनसे ऑनलाइन संवाद करेंगे। यह भी संभव है कि सभी नेताओं को लिंक देकर उनको अपने-अपने घरों से ही ऑनलाइन जुड़ने के लिए कहा जाए। यह पहली बार होगा, जब पीएम इस तरह से प्रदेश के नेताओं के साथ संवाद करेंगे। संवाद का विषय क्या होगा, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। जिनसे संवाद होगा, उसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल के साथ कुछ विधायक भी शामिल हैं। इसी के साथ कुछ पूर्व सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के भी नाम हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ से काफी गहरा रिश्ता रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वे लगातार छत्तीसगढ़ आए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के समय उन्होंने रायपुर में जो नारा दिया था अब नहीं सहिबो, बदल के रहिबो, उस नारे ने कमाल किया और प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनी। जब श्री मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब भी यहां के नेताओं के साथ उनका गहरा रिश्ता था। कई नेता लगातार गुजरात जाकर उनसे मिलते भी थे। जिन नेताओं ने उनके साथ काम किया है और जिनसे उनका गहरा रिश्ता रहा है, ऐसे नेताओं के साथ ही वे अब शनिवार को संवाद करने वाले हैं।

इनके साथ होगा संवाद

वैसे तो करीब 22 नेताओं के साथ पीएम मोदी संवाद करने वाले हैं, लेकिन इनके नाम उजागर नहीं किए जा रहे हैं। हरिभूमि को जिन नामों की जानकारी है, उनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री और इस समय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहने वाले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व सांसद अशोक शर्मा, चंद्रशेखर साहू, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत के साथ ही पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, भाजपा के वरिष्ठ नेता सच्चिदानंद उपासने के नाम शामिल हैं।

स्थान सुबह होगा तय

शनिवार को होने वाले संवाद के लिए शुक्रवार की रात तक स्थान और समय की चर्चा में शामिल होने वाले नेताओं को कोई जानकारी नहीं दी गई। प्रदेश संगठन ने नेताओं को फोन करके बस यह कहा है कि कल शनिवार को 11 बजे के बाद का समय पूरी तरह से रिजर्व रखना है। स्थान की सूचना सुबह को दी जाएगी। सभी की ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम मोदी से चर्चा होगी।

भाजपा अजजा मोर्चा ने किया कांग्रेस के झूठ का पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के विकास मरकाम ने बताया, कांग्रेस की आदिवासी विरोधी मानसिकता और झूठे प्रचार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के झूठ का पुतला दहन किया गया। यह विरोध बलौदाबाजार जिले के आदिवासी विकास विभाग के छात्रावास के लिए वाटर जग खरीदी को लेकर फैलाई गई भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी के विरोध में किया गया।

श्री मरकाम ने कहा कि जिसकी जैसी आंख, वैसी उसकी दृष्टि। कांग्रेस भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी पार्टी है, उसे एक ईमानदार और कर्मठ आदिवासी मुख्यमंत्री भी भ्रष्टाचारी नजर आ रहा है। श्री मरकाम ने स्पष्ट किया कि वाटर जग खरीदी का प्रस्ताव 23 फरवरी 2025 को ही निरस्त कर दिया गया था, न तो कोई भुगतान हुआ और न ही कोई आपूर्ति। कांग्रेस और उसका आईटी सेल जानबूझकर निरस्त प्रस्ताव का स्क्रीनशॉट शेयर कर जनता को गुमराह कर रहा है। यह सीधे-सीधे आदिवासी समाज की छवि पर हमला है। श्री मरकाम ने कहा, हमारीदो मुख्य मांगें व संदेश कांग्रेस आदिवासी विरोधी मानसिकता से बाज आए। राहुल गांधी द्वारा फैलाई जा रही झूठी अफवाहों पर माफी मांगें। भाजपा आदिवासी गौरव और पारदर्शिता के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। भाजपा अजजा मोर्चा ने संकल्प लिया कि वह हर मंच पर आदिवासी स्वाभिमान की रक्षा करेगा और कांग्रेस की झूठ की राजनीति को बेनकाब करता रहेगा। कार्यक्रम में पिंकी शिवराज शाह, सुमित्रा मारकोले, एमडी ठाकुर, सत्यनारायण सिंह, पुरन टेकाम, कमल सिंह सिकदार, योगेन्द्र ध्रुव, बद्रीप्रसाद गुप्ता, विनय प्रताप ध्रुव,प्रमोद साहू, विनोद नेताम, रवि सोनकर, रमेश सपहा के साथ साथ विदेशी राम धुर्वे, संतराम धुर्वे, राजेश छेदवी सहित अजजा मोर्चा व युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड विधेयक-2025 विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज राज्य की आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को सुनिश्चित करने हेतु छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड विधेयक 2025 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह विधेयक राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने विधेयक के उद्देश्यों, प्रावधानों और इससे होने वाले लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

■ राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विधेयक प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 दस्तावेज तैयार किया है, जिसके अंतर्गत राज्य को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य की वित्तीय दीर्घकालिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष फंड स्थापित किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में खनिज संसाधनों से होने वाली आय में निरंतर वृद्धि हुई है। वर्ष 2001-02 से 2024-25 के दौरान खनिज राजस्व में 30 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं पूंजीगत व्यय में भी लगभग 43 गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत तथा वर्ष 2023-24 में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय से अर्थव्यवस्था को मल्टीप्लायर इफेक्ट मिलता है, जिससे एक रुपए के निवेश से अर्थव्यवस्था को तात्कालिक रूप से 2.45 रुपए और दीर्घकाल में 3.14 रुपए का लाभ मिलता है। इसी दृष्टिकोण से यह फंड राज्य के पूंजीगत व्यय को सुदृढ़ करने सहायक होगा।

मोदी सरकार बदले की भावना से कर रही काम विरोध प्रदर्शन में नेताओं ने किया करारा प्रहार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ईडी द्वारा कथित शराब घोटाले में शुक्रवार को चैतन्य बघेल पर हुई कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरे छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी रायपुर के राजीव चौक पर कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ चरणदास महंत और देवेंद्र यादव सहित कई कांग्रेसी नेता और विधायक मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि जांच एजेंसियां मोदी सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार बदले की भावना से यह काम करवा रही है। भूपेश बघेल ने साफ साफ कह दिया है कि वे इस तरह की कार्रवाई के आगे न तो झुकेंगे और न हीं डरेंगे। उन्होंने कहा, सच्चाई के लिए लड़ाई लड़ेंगे। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर कई कांग्रेस नेताओं ने विरोध जताया।

पत्र क्र. 21763/ न.पा.नि./ जोन-9/2025, रायपुर, दिनांक 03.07.2025

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 21763

वार्ड का नाम- 08 महात्मा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226H00479** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **CHAKRESH JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE SABU LAL JAIN** के नाम से दर्ज हैं जिसको श्री/श्रीमती **NARESH KUMAR MACHADE** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O PUNAJI MACHADE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे।

श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर) जोन क्र. 9 नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भ :- जिला- **रायपुर** तहसील- **रायपुर** प.ह.न.- **00082 सेजबहार** ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- **RD202425440727100194**

।। ईश्तहार ।।

तहसील **रायपुर** के प.ह.न. **00082** के अंतर्गत ग्राम **सेजबहार** के वर्तमान भूमिस्वामी **पुष्पलता सिंह पिता/पति- एस डी सिंह पता एम आई जी 672 सेक्टर 3 डी डी यु नगर रायपुर** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक **162/260(0.0084)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **हेमंत कुमार मन्नेवार पिता लक्ष्मी प्रसाद मन्नेवार पिता/पति- गीतांजली मन्नेवार पति हेमंत कुमार मन्नेवार पता मकान नं-186, बोरिया रोड, भैरव नगर, वार्ड नं- 52, रायपुर** के नाम पर पंजीयन/ फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **05/08/2025** को समय सुबह 11 बजे स्थान **न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **18/07/2025** को जारी किया जाता है।

(मुहर) **अतिरिक्त तहसीलदार Rakesh Dewangan रायपुर**

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 12289 दिनांक 22.11.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एम.आई.जी.-1 फ्लैट, मीड-तल- 5/308 को श्री पुनमचंद ओझा पिता स्व. श्री सुखराम ओझा एवं श्रीमती कौशल्या ओझा पति श्री पुनमचंद ओझा, पताः- दीर्घायु नर्सिंग होम के पास, गोल चौक रोड़ रोहिनीपुरम, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर स्ववितीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। श्री पुनमचंद ओझा पिता स्व. श्री सुखराम ओझा की मृत्यु दिनांक 15.05.2025 को हो गया है। श्रीमती कौशल्या ओझा पति स्व. श्री पुनमचंद ओझा ने अपने पति श्री पुनमचंद ओझा की मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर यथावत रखने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन को श्रीमती कौशल्या ओझा पति स्व. श्री पुनमचंद ओझा के नाम पर यथावत रखने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल 12 - रायपुर

:: आम सूचना ::

जारी दिनांक 09.07.2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नम्रता यादव पिता विष्णु प्रसाद निवासी यादव पारा, अहिवारा जिला- दुर्ग द्वारा आवेदित भूमि ग्राम रायपुर खास पटवारी हल्का नंबर 62 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-12 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1395/4 रकबा 0.1210 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 01/07/2025 के परिपालन में दिनांक 22/07/2025 को समय 12:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 62 के पुजारी काम्पलेक्स पचपेड़ी नाका टिकरापारा रायपुर में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकार के दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

रा.नि.मं. 12 रायपुर

आम सूचना का खण्डन

7 जुलाई 2025 को श्री एस.एस. कुशवाहा, अधिवक्ता द्वारा अपने पक्षकार एस.के. देवांगन पिता नरसिंह देवांगन, पता-चंगोराभाठा रायपुर की ओर से दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि में ग्राम रायपुरा स्थित खसरा नम्बर 136 रकबा 15.49 एकड़ के क्रय-विक्रय के संबंध में प्रकाशित आम सूचना का मैं अपने पक्षकार की ओर से निम्नानुसार खंडन करता हूँ। रायपुरा स्थित उपरोक्त भूमि के अतिरिक्त लकड़गंज अस्पताल वार्ड, रायपुर स्थित नजूल भूमि ब्लॉक नम्बर 98 प्लाट नम्बर 3/16, 3/17, 3/29, 18/2, 18/3, 19/3, 21/1, 3/56, 18/4, 19/4, 21/3 तथा ब्लॉक नम्बर 99, प्लाट नं. 1/2 कुल रकबा 7950 वर्गफुट नजुल जमीन तथा रायपुरा स्थित खसरा नम्बर 137 व 130/7 कुल रकबा 18.036 हेक्टेयर अर्थात 44.55 एकड़ कृषि भूमि मेरे पक्षकार के नाना स्वर्गीय रिखीराम जी की पुश्तैनी संपत्ति हैं व्यवहार न्यायालय के आदेश एवं डिक्री से हुए पारिवारिक बंटवारा में रिखीराम के हिस्से की संपत्ति सायत्रा बाई को प्राप्त हुई है। चूँकि उक्त संपत्ति सायत्रा बाई या मधुर भूरे की स्वअर्जित संपत्ति नही है, इसलिए उन्हें वसीयत या अन्य माध्यम से विक्रय अथवा अंतरण करने का कोई विधिक अधिकार नही है। रिखीराम की मृत्यु उपरांत उक्त संपत्ति के दो उत्तराधिकारी उसकी पत्नी सायत्रा बाई तथा पुत्री इंदिरा बाई हुए। इंदिरा बाई का विवाह लक्ष्मण राव भूरे के साथ संपन्न हुआ, जिनसे 5 पुत्र क्रमशः मधुकर राव बलवंत राव, जयप्रकाश, चंद्रकान्त, श्यामसुंदर तथा 7 पुत्रियां विमला, कमल चन्द्रकला, शकुंतला, आशा, सुनंदा, सुषमा है । रिखीराम 1947 में सायत्रा बाई 1979 में इंदिरा बाई 2004 में तथा लक्ष्मण राव भूरे की पूर्व में मृत्यु हो चुकी है। इसलिए निर्विवाद रूप से इंदिरा बाई के उपर लिखित 12 संताने ही उपरोक्त संपत्ति के विधि मान्य उत्तराधिकारी है। कूटरचित दस्तावेजो से या अधिकारितािवहीन व्यक्ति से किया गया संव्यवहार जो प्रारंभ से ही शून्य एवं निष्प्रभावी रहा हो, उससे किसी क्रेता को कोई स्वत्व या अधिकार प्राप्त नही हो सकता, क्योंकि जब विक्रेता को ही विक्रय करने का अधिकार नही है, इसके बावजूद भी यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार से कोई संव्यवहार या क्रय विक्रय करता है तो वह संव्यवहार मेरे पक्षकारो पर बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.) दिनांक 18/07/2025

भवदीय **विवेकानंद भोई अधिवक्ता** बसंत पार्क, गुरु तेगबहादुर नगर, पुरैना, रायपुर छ.ग. मो. नं. 9329355595

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-18, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मुजगहन प.ह.नं. 82 रा.नि.मं. रायपुर-18 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में आवेदक उर्मिला यादव पति राजधर यादव निवासी धर्म नगर पचपेड़ी नाका रायपुर छ.ग. द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 26/67 रकबा 0.0455 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. / /वाचक/ तहसीलदार/ 2025 रायपुर दिनांक 02.07.2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन दिनांक 22.07.2025 को किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आस-पास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा/आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नही होगी। सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-18

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लिनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
ओपीडी 50% Off
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसिल फायमोसिस का इलाज, मेडिसिन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह एमबीबीएस एम.एस.- लेजर व दूरबीन सर्जन (MBBS, MS Surgery) Laporoscopic Laser Surgeon Call 9890716410
लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हांडी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

ॐ

भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग

फीचर इम्पैक्ट

भारती ग्रुप पिछले 28 वर्षों से विभिन्न संकायों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है, हमारे संस्था से शिक्षा प्राप्त कर ज्यादातर विद्यार्थी छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों के साथ - साथ विदेशों में सरकारी एवं निजी संस्थानों में बड़े पद पर कार्यरत है, कई विद्यार्थी बड़े रूप में स्व रोजगार स्थापित कर लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे है, जिससे हमारी संस्था के साथ - साथ अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित कर रहे है, यही हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य है, जिसे निरंतर आगे बनाए रखेंगे इसी विश्वास के साथ...

विकसित छत्तीसगढ़ @2047 के लक्ष्य को पाने के लिए भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग शिक्षा, कौशल और नवाचार के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर, नये-नये पाठ्यक्रम संचलित कर युवाओ को उच्च-शिक्षा प्रदान कर रहा है। विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में रहकर कम खर्च में अध्ययन करा रहें हैं, जिससे राज्य के विद्यार्थियों को स्व-रोजगार प्राप्त करने का नव-अवसर मिल रहा है और आगे मिलता रहेगा...

- TOP RECRUITERS -

WIPRO LTD. · ASHOK L by LAYAM GROUP · JINDAL ELECTRICAL · HCL INFOSYSTEMS LTD · TATA CONSULTANCY SERVICES · L&T CONSTRUCTION · SUZUKI MOTORS · MAHINDRA & MAHINDRA LTD. · SUZLON ENERGY LTD. · BOC INDIA LTD. · DHOOT TRANSMISSIONS · ADVIK HIGH TECH Pvt. Ltd. · HIRA POWER & STEEL · MAINTEC TECHNOLOGIES · IDBI BANK LIMITED · JUST DIAL LIMITED

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू - राष्ट्रपति भारत द्वारा पुरस्कृत करते हुये

इंडस्ट्रीयल सेफ्टी में डिप्लोमा कर रोजगार के नए अवसर

भारती विश्वविद्यालय मे बीए, बीकाम, बीएससी डिप्लोमा एवं पीजी कोर्स सेमेस्टर प्रणाली में संचालित किये जा रहे है। विद्यार्थियों का रुझान एवं राज्य में कोर्सेस की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा निती 2020 के सिलेबस को जोड़कर कई नये विषयों मे स्नातक एवं पीजी सेमेस्टर प्रणाली से पढ़ाई प्रारंभ किया गया है। विद्यार्थीयों को सिलेबस के विस्तृत ज्ञान की प्राप्ति एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से इस सेमेस्टर पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया गया है। सेमेस्टर प्रणाली में अध्ययन से IAS, IPS, IES, IFS, IRS आदि अन्य सभी शासकीय परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना सरल होता है।

ADMISSION OPEN FOR THE SESSION 2025-26

Law
- B.A. LLB
- B.Com LLB
- LLM
- LLB

Pharmacy
- D. Pharma
- B. Pharma
- M. Pharma
- Ph. D.

Engineering
(Full Time / Part Time)
- M.Tech / B.Tech / Diploma
- CSE
- Civil
- ET&T
- Mechanical
- Electrical Artificial
- Intelligence & Machine Learning

Journalism
- BAJMC
- MAJMC

Library Science
- M.Lib
- B.Lib
- D. Lib

Hotel Management
- BHM
- MHM

Education
- D.El.Ed.
- B.Ed.
- M.Ed.

Film Making
- B.A.
- M.A.

Afft. to Ayush University, Raipur
BAMS Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery
B.Sc (Nursing)

Physical Education
- Bachelor of Physical Education andSports (B.P.E.S) Eligibility (10+2)
- Masters of Physical Education and Sports (M.P.E.S) Eligibility (B.P.E.S)

Arts/Science/Commerce
- B.Sc / M.Sc (Forensic Science)
- BBA
- MBA
  - Hospital Management
  - Financial Management
  - Marketing Management
  - Human Resource Management
- DCA
- BCA
- PGDCA
- B.A. (Hons)/M.A
  - English · Sociology · Psychology · Hindi · Sanskrit · Yoga · Political Science · History · Geography · Public Administration
- B.Com. (Hons)
- M.Com.
- DSW
- BSW
- MSW
- B.Stat
- M.Stat
- BRS
- MPH
- MRS
- B.Sc (Hons) / M.Sc
  - Chemistry · Maths · Physics · Biotechnology · Botony · Zoology · Microbiology · Computer Science · IT · Home Science · Multimedia & Design · Animation & Visual Effects

Diploma Courses (1year)
- Forensic Science
- Digital Marketing
- Yoga Science
- Nutrition & Dietetics
- Interior Design
- Multimedia & Graphic Animation
- Fashion Design
- Cyber Crime

Ph. D. Available in all Subject
प्रवेश हेतु आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 23.07.2025
website: www.bhartiuniversity.org

Afft. to IGKV Raipur
B.Tech. Agricultural
B.Sc. Agricultural

भारती विश्वविद्यालय न केवल दुर्ग में, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में **कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान** के क्षेत्र में शिक्षा का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है।

फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में जॉब के सबसे ज्यादा मांग हैं। बीएससी फोरेंसिक साइंस विद्यार्थीयों को देश- विदेश के फोरेंसिक शिक्षण संस्थानों में प्राध्यापक एवं फोरेंसिक एक्सपर्ट के रूप में कार्य कर रहें है। **फॉरेंसिक साइस की पढ़ाई करके स्टूडेंट्स फॉरेंसिक वैज्ञानिक, फॉरेंसिक विश्लेषक, फॉरेंसिक मनोवैज्ञानिक बनकर अपना कैरियर संवार सकते है।** सरकारी विभागों जैसे गृह विभाग, पुलिस, इंटेलिजेंस और क्राइम इन्वेस्टिगेशन से संबंधित अन्य एजेंसियों में फोरेंसिक साइंस का विशेष महत्व है। डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी, क्रिमिनोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे समकालीन विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों को एक सशक्त कैरियर और रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

· अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ· अनुभवी फैकल्टी एवं फील्ड एक्सपर्ट्स · इंटर्नशिप व लाइव प्रोजेक्ट्स के अवसर · सरकारी और निजी क्षेत्रों में प्लेसमेंट की सुविधा

देश का आपराधिक न्याय तंत्र आज **एविडेंस-बेस्ड प्रणाली** की ओर अग्रसर है। हाल ही में लागू हुये तीन नये आपराधिक कानूनों के तहत **सात साल से अधिक सज़ा वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य** कर दी गई है। इससे फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की मांग और अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है।

फॉरेंसिक से जुड़े अपने सपनों को दीजिए एक नई उड़ान।

समाज में एक मजबुत व्यवस्था का निर्माण, जिससे न्याय और शांति की नीव रखी जाएगी

लॉ (कानून) - लॉ एजुकेशन में विद्यार्थियों का रुझान एवं राज्य में इस शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लॉ संकाय में बीए एलएलबी, बीकॉम एलएलबी, एलएलबी एवं एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिये इंटीग्रेटेड लॉ 5 वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण, एलएलबी में प्रवेश के लिए किसी भी संकाय में स्नातक एवं एलएलएम में प्रवेश के लिए एलएलबी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। लॉ की पढ़ाई के बाद अपने कैरियर बनाने के कई विकल्प मौजूद हैं वकालत, न्यायाधीश, कानूनी सलाहकार बनने के साथ ही कॉर्पोरेट सेक्टर से संबंधित बैंकों, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त और लेखा विभाग, पर्यटन उद्योग, मानव संसाधन विभाग, इंवेस्टमेंट बैंकिंग जैसे सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं।

ज्ञान, कौशल और सफलता की कुंजी इंजीनियरिंग

हमारे छत्तीसगढ राज्य में भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप निर्माण कंपनी पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड एवं बड़ी बड़ी कम्पनियो के निवेश से तकनीकी क्षेत्र मे अध्ययन कर रहे विद्यार्थियो को राज्य में ही रोजगार के नया अवसर प्राप्त होगा।

एआईसीटीई से बीटेक एवं पॉलीटेक्निक पार्टटाइम कोर्स में प्रवेश की अनुमति प्राप्त की है। इस पार्टटाइम कोर्स के प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ में कार्यरत शासकीय एवं निजी क्षेत्रो पर कार्यरत प्रशिक्षार्थियों के लिये बहुत लाभकारी होगा। पॉलीटेक्रीक उत्तीर्ण प्रशिक्षु इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रीकल, सिविल, मेनिकल, कम्प्यूटर ब्रांच में प्रवेश प्राप्त कर सकते है। आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षु डिप्लोमा पॉलीटेक्नीक में इलेक्ट्रीकल, सिविल, मेनिकल, कम्प्यूटर में प्रवेश प्राप्त कर सकते है। इस प्रकार प्रशिक्षु अपने कार्यरत विभाग में पदोन्नति का अवसर प्राप्त कर निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो सकते है।

फूड एंड न्यूट्रीशन कोर्स कर सफल टाईटिशियन बनें

दो वर्षीय एवं डिप्लोमा न्यूट्रिशन एक वर्षीय एंड डाइटेटिक्स कोर्स सुचारु रुप से संचालित है इस विषय में प्रवेश हेतु आवश्यक शैक्षणिक योग्यता 12वीं बायोलॉजी जीव विज्ञान, गणित विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है एवं एमएससी के लिए बीएससी होम साइंस बीएससी फूड एंड न्यूट्रिशन इत्यादि उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जिसके अंतर्गत लिक्विड एवं सॉफ्ट डाइट, थरेपिटिक डाइट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विषय के माध्यम से विद्यार्थी अपना भविष्य सरकारी एवं गैर सरकारी क्षेत्र में फूड इंस्पेक्टर, हेल्थ साइंस, डाइटिशियन, न्यूट्रीशनिस्ट, फूड रिसर्चर इत्यादि में बना सकते हैं।

62322-21101 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07

www.bhartiuniversity.org bhartiuniversity.in@gmail.com

SCAN ME

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ की बेटी श्वेता का यूपीएससी में चयन

रायपुर। राजधानी रायपुर की प्रतिभाशाली श्वेता शर्मा ने एक बार फिर अपने परिवार समेत छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल होने पर श्वेता का चयन भारतीय सूचना सेवा में हुआ है। वर्तमान में श्वेता भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण विभाग में छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर में फील्ड इंचार्ज के रूप में सेवा दे रही हैं। श्वेता के माता-पिता ने बेटी की इस ऐतिहासिक सफलता को पूरे परिवार के लिए एक गौरव का क्षण बताया है। रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने भी फोन पर श्वेता को उनके चयन पर शुभकामनाएं दी हैं।

सैयद मो. अली बने गरीब नवाज मस्जिद के मुतवल्ली

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने गरीब नवाज मस्जिद संजय नगर के

मुतवल्ली पद पर सैयद मोहम्मद अली (भोला भाई) की नियुक्ति की है। यह निर्णय वक्फ अधिनियम 1995 के अंतर्गत गठित बोर्ड की बैठक में 20 जुलाई को पारित प्रस्ताव के आधार पर लिया गया। मो. अली मस्जिद से संबंधित धार्मिक, सामाजिक तथा व्यवस्थापकीय कार्यों के संचालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

निधन

सबीहा बंदूकवाला

रायपुर। सदरबाजार निवासी सबीहा बंदूकवाला का 18 जुलाई

को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 जुलाई को सुबह 10 बजे एमजी रोड स्थित बोहरा कब्रिस्तान में किया जाएगा। वे शाहबुद्दीन बंदूकवाला की पत्नी थीं।

रामदास जोगलेकर

रायपुर। चौबे कॉलोनी निवासी चार्टर्ड एकाउंटेंट रामदास

जोगलेकर का 18 जुलाई को निधन हो गया। निधन के बाद जोगलेकर परिवार ने उनका नेत्रदान किया। उनकी अंतिम यात्रा 19 जुलाई को सुबह 10.30 बजे निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे दुर्गा कॉलेज के पूर्व प्राचार्य यशवंत गोविंद जोगलेकर के पुत्र, डॉ. अभया जोगलेकर के पति, लेफ्टिनेंट कर्नल मेघन व अधिवक्ता यशप्रदा के पिता थे।

एंजलीना कबिलास

रायपुर। राजातालाब आदर्श चौक निवासी एंजलीना कबिलास

(88) का 18 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सेंट पॉल्स कैथेड्रल की प्रभु वाटिका में किया गया। वे स्व. एचके कबिलास की पत्नी, मधु कबिलास, नवीन कबिलास, रेखा कबिलास, स्व. संजय कबिलास व स्व. रेणु कबिलास की माता थीं।

विरोध के बीच सड़क पर लग रही मछली दुकानों को चबूतरा शेड में किया शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के खमतराई बाजार में सड़क किनारे खुली जगह पर लग रही मछली बिक्री की दुकानों को आखिरकार नगर निगम ने सख्ती दिखाते हुए शिफ्ट किया। मछली दुकानों के लिए बाजार के करीब ही रोड के उस पार कई साल पहले शेड बनाया गया है, लेकिन मछली विक्रेता इस शेड में शिफ्ट नहीं हो रहे थे।

लोगों की लगातार शिकायत और खुली जगह पर मांस बिकने पर लगा प्रतिबंध के तहत निगम ने शुक्रवार को पुलिस बल की मौजूदगी में इन दुकानों को यहां से हटाकर चबूतरा शेड में शिफ्ट किया। हालांकि इस दौरान दुकानदारों ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध भी किया। जोन-1 कमिश्नर डा. दिव्या चंद्रवंशी के नेतृत्व में निगम का अमला पुलिस बल के साथ मछली दुकानों को हटाने की कार्रवाई के लिए खमतराई बाजार पहुंचा। इस दौरान मछली दुकानदार इस कार्रवाई का विरोध करने लगे।

लगभग एक घंटे तक चली बहस के बाद के बाद भी जब दुकानदार शिफ्ट होने के लिए राजी नहीं हुए, तो निगम अमले ने सख्ती दिखाते हुए उनकी दुकानों को वहां से हटाकर चबूतरा शेड में शिफ्ट किया। इस दौरान जोन कमिश्नर ने दुकानदारों को चेतावनी भी दी कि इसके बाद अगर कोई मछली दुकानदार सड़क पर दुकान लगाएगा, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नोटिस के बाद दो बार बैठक फिर भी हट नहीं रहे थे दुकानदार

कमिश्नर दिव्या चंद्रवंशी ने बताया कि मछली दुकानों के लिए ही लगभग तीन साल पहले यहां चबूतरा शेड का निर्माण किया गया था। इसके लिए सभी दुकानदारों को नोटिस जारी कर दुकानें शिफ्ट करने के लिए भी कहा गया था। इसके बाद भी सभी दुकानदार सड़क किनारे बाजार में ही खुले में मछली बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि वह स्वयं दो बार दुकानदारों के साथ बैठक कर चुकी हैं और उन्हें बताया था कि खुली जगह पर मांस बेचना प्रतिबंधित है। इसके बाद भी वे नहीं माने, इसलिए सख्ती दिखाते हुए उन्हें अब यहां से हटाकर शेड में शिफ्ट कराया गया। इस कार्रवाई के दौरान जोन अध्यक्ष गज्जू साहू भी मौजूद रहे।

उरकुरा की 25 हजार से ज्यादा आबादी को नई सुविधा देने की तैयारी

डुप्लेक्स मंगल भवन निर्माण को 4 महीने में एजेंसी देगी अंतिम रूप, मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चार महीने बाद लोगों को वैवाहिक एवं मांगलिक आयोजनों के लिए मुहूर्त मिलने वाला है। इस बीच उरकुरा में जारी डुप्लेक्स मंगल भवन निर्माण को अंतिम रूप देने की तैयारी बिरगांव निगम द्वारा शुरू करने से लोगो को नई सुविधा की उम्मीद बंधी है। वार्ड पार्षद के साथ महापौर भी नई सुविधा देने के लिए निर्माणाधीन डुप्लेक्स मंगल भवन की जांच और समीक्षा के बाद एजेंसी को समय पर काम पूरा करने दिशा -निर्देश दिया है। दिसंबर में शादी-सगाई के लिए लोग इस भवन की बुकिंग करवा सकेंगे।

हरिभूमि सरोकार

बिरगांव निगम के उरकुरा वार्ड में घनी आबादी के बीच पहले मंगल भवन की सुविधा लोगों को मिलने वाली है। इसके पहले उरकुरा में लोगों के बीच एक भी बड़े मंगल भवन की सुविधा नहीं थी। उरकुरा में वार्ड के लोगों द्वारा लगातार की गई मांग के बाद निगम के जिम्मेदारों ने 2. 83 करोड़ में डुप्लेक्स मंगल भवन बनाने के लिए एजेंसी को काम दिया है। लोगों को नई सुविधा देने के लिए भवन बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। आगामी कुछ महीने बाद मिलने वाले मुहूर्त को देखते हुए निगम ने भी प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करवाने के लिए प्रयास शुरू किया है, ताकि आयोजन के लिए सर्व सुविधायुक्त भवन मिल सके। इसके पहले लोगों को इस सुविधा के लिए प्राइवेट भवन मालिकों को ज्यादा किराया के साथ भारी-भरकम मेंटेनेंस शुल्क देना पड़ता था। अब कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों को राहत मिलेगी।

भवन हैंडओवर लेने के बाद तय होगा..

अभी उरकुरा के चार वार्डों में सिर्फ सामाजिक भवन होने से दूसरे समाज के लोगों को जरूरी आयोजन के लिए कम ही मिल पाता था। अब मंगल भवन निर्माण पूरा होने और परिसर में खाली स्पेस और पार्किंग होने से लोग छोटे आयोजन को सामान्य दिनों में पंडाल लगाकर कर सकेंगे। पहले यह सुविधा भी नहीं मिलती थी। इसके लिए लोगों को रायपुर निगम क्षेत्र के मांगलिक भवनों की बुकिंग के लिए भटकना भी पड़ता था। भवन को हैंडओवर लेने के बाद निगम के जिम्मेदारों द्वारा किराया तय किया जाएगा।

समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने निर्देश

लोगों को सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन की सुविधा देने निर्माण एजेंसी को समय पर प्रोजेक्ट पूरा करके देने निर्देश दिया है। लोगों को भवन बुकिंग की सुविधा वैवाहिक मुहूर्त के साथ दिसंबर में देने की तैयारी है।

- **नंदलाल देवांगन,** महापौर, नगर निगम बिरगांव

कॉलोनी वासियों को मिलेगी राहत

हर्षित विहार, डीएम टॉवर सहित उरकुरा में विकसित हो रही नई कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों को भी छोटे पारिवारिक आयोजनों के लिए भवन के लिए भटकने से राहत मिलेगी। इसके साथ मां शीतला माता, संत कबीरदास, ठाकुर प्यारेलाल और माधवराव सप्रे वार्ड की घनी आबादी में किराए के मकान में रहने वाले लोगों को इस सुविधा का इंतजार है। इसे देखते हुए पार्षद डिकेंन्द्र सिंह, रानी गोस्वामी, रितेश सिंह ने भी एमआईसी के पीडब्ल्यूडी विभाग अध्यक्ष इकराम अहमद ने सहायक अभियंता कृष्ण विजय सिंह एवं उप अभियंता नितीश अमन साहू के साथ प्रोजेक्ट का जायजा लेने के बाद एजेंसी से चर्चा किया।

भवन में मिलेगी लोगों को यह सुविधा

वार्ड के 10 हजार वर्गफीट एरिया को मंगल भवन के लिए आरक्षित किया गया है। इसमें विभिन्न तरह के आयोजनों के लिए बड़ा हॉल, रसोई के साथ ही पार्किंग की सुविधा मिलेगी। शादी-सगाई के लिए भवन बुक करवाने वाले परिवारों को सर्व सुविधायुक्त पांच कमरे भी मिलेंगे। भवन परिसर को करीब एक एकड़ में सुरक्षित किया जाएगा। इसमें लोगों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उरकुरा मुख्य मार्ग से करीब 150 मीटर की दूरी पर आकार ले रहे मंगल भवन से ट्रैफिक जाम की स्थिति भी नहीं बनेगी। आबादी से दूर होने से लोगों को बैंड-बाजे और धुमाल के शोर-शराबे को लेकर कोई शिकायत भी नहीं होने वाली है।

एयरपोर्ट पर मंत्री अरुण साव का नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर को स्वच्छ शहर के रूप में देश में चौथा स्थान मिला है, वहीं गार्बेज फ्री सिटी में छत्तीसगढ़ का पहला 7 स्टार भी रायपुर बना है।

- **राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर को मिला देश में चौथा रैंक**

राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में एक साथ शहर को मिले दो अवार्ड को लेकर नगर निगम अंतर्गत कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों ने माना विमानतल पर दिल्ली से लौटे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का माना विमानतल पर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने भी सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

नगर-निगम के अधिकारी कर्मचारियों में खुशी की लहर

मंत्री अरुण साव ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रायपुर शहर को राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण में ये दोनों अवार्ड प्राप्त किए। इस कार्यक्रम के बाद मंत्री शुक्रवार को रायपुर पहुंचे। शहर को मिले इस अवार्ड से निगम के अधिकारी-कर्मचारियों में भारी खुशी व्याप्त है। इस खुशी को बांटने और शहर को मिले अवार्ड के लिए निगम के अधिकारी, कर्मचारी के साथ स्वच्छता दीदी एवं सफाई मित्र बड़ी संख्या में माना विमान तल पहुंचे, जहां उन्होंने मंत्री को गुलदस्ता देकर और माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नगर निगम रायपुर के जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, राजेश्वरी पटेल, राकेश शर्मा, हितेन्द्र यादव, विवेकानंद दुबे, संतोष पाण्डेय, रमेश जायसवाल, अरुण ध्रुव, खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंताओं, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, जोन सहायक राजस्व अधिकारियों, स्वच्छता निरीक्षकों, नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगांठ पर सभी बैंक संगठन विविध कार्यक्रम करें- नलगुंडवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छतीसगढ़ बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के महासचिव शिरीष नलगुंडवार ने निजी बैंकों के राष्ट्रीयकरण की 56वीं वर्षगांठ पर सभी बैंकों के संगठन एवं कर्मचारियों से अपील की है कि इस वर्षगांठ पर 19 जुलाई को स्थानीय स्तर पर सभा, बैठक, सेमिनार, कार्यशाला आदि कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि इस दिन के महत्व को सभी समझ सकें।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1969 में आज के दिन 14 बड़े निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ था। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां सरकार का एजेंडा बैंकों का निजीकरण करना और लोगों की बहुमूल्य बचत को कॉरपोरेट निहित स्वार्थों को सौंपना हैं, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की रक्षा करना, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सामाजिक दिशा को बनाए रखना और बैंकों के निजीकरण के प्रयासों को परास्त करना हमारी प्राथमिकता और अनिवार्य कार्य है। हमारे दृष्टिकोण को उजागर करने और हमारे अभियान के लिए अधिक से अधिक समर्थन जुटाने के लिए 19 जुलाई बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस को उचित रूप से मनाया जाना चाहिए।

बैंकों के निजीकरण के विरोध में संकल्प लें

उन्होंने कहा कि यह खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने और संकल्प लेने का अवसर भी है कि यदि सरकार बैंकों के निजीकरण के प्रस्ताव को लाती है, तो हम इस प्रस्ताव को परास्त करने के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने एवं संघर्ष करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि इस दिन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संरक्षण और उन्हें मजबूत बनाने की दिशा में काम करने, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की रक्षा करने, बैंकों के निजीकरण को परास्त करने, आम जनता को बेहतर- त्वरित एवं उत्तम ग्राहक सेवा प्रदान करने का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अगर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक मजबूत होंगे, तो जीवंत अर्थव्यवस्था होगी। युवाओं के लिए ज्यादा रोजगार के अवसर मिलेंगे, उत्पादकता बढ़ेगी और हमारी अर्थव्यवस्था का विकास होगा।

शोध निदेशक की उपलब्धता जांचेंगे पीएचडी छात्र, इसके बाद लेंगे दाखिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने से पहले छात्रों को यह जांच करनी होगी कि जिस विषय में उन्हें पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा रहा है, उस विषय में मानदंडों के अनुरूप योग्यता प्राप्त शोध निर्देशक नियमित रूप से पदस्थ हैं अथवा नहीं।

छात्रों के लिए यह गाइडलाइन छग निजी विवि विनियामक आयोग द्वारा जारी की गई है। प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों के साथ ही निजी विश्वविद्यालयों में भी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। कई बार इस तरह की स्थिति सामने आती रही है, जब छात्र पीएचडी के लिए निजी विवि में दाखिले ले लेते हैं, लेकिन उस विषय के शोध निदेशक ही उन्हें विवि में नहीं मिलते हैं। छात्रों को प्रवेश के बाद शोध निदेशक मिल सके और उनकी पीएचडी डिग्री मान्य रहे, इसलिए उन्हें इसकी जांच करने कहा गया है। विनियामक आयोग के मुताबिक, विवि के बाहर के शोध निदेशकों की सेवाएं लेकर शोध कार्य कराना यूजीसी के नियमों के विरूध है। इस स्थिति में छात्र की पीएचडी डिग्री ही रद्द की जा सकती है।

- निजी विवि विनियामक आयोग ने छात्रों और पालकों के लिए जारी किए दिशा-निर्देश
- कई ऐसे मामले जब नौकरी के लिए आवेदन के दौरान पता चला फर्जी डिग्री का

सावधान रहें विद्यार्थी

विद्यार्थियों को धोखाधड़ी से बचाने दिशा-निर्देश जारी किए गए है। किसी तरह की शंका होने पर वे विनियामक आयोग से संपर्क कर सकते हैं।

- **प्रो. वीके गोयल,** अध्यक्ष, निजी विवि विनियामक आयोग

यूजीसी की अनुमोदन अनिवार्य

पीएचडी के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी विनियामक आयोग द्वारा अधिसूचना जारी छात्रों के साथ उनके अभिभावकों को भी टिप्स दिए गए हैं। जारी अधिसूचना में विनियामक आयोग ने कहा है कि छात्र जिस भी पाठ्यक्रम अथवा डिग्री में प्रवेश ले रहे हैं, उसकी जांच कर लें कि वह यूजीसी द्वारा अनुमोदित है अथवा नहीं। इसके लिए छात्र यूजीसी की वेबसाइट की मदद ले सकते हैं। प्रदेश में कई ऐसे विवि हैं, जिन पर छात्र आरोप लगाते रहे हैं कि उन्हें उस कोर्स में दाखिला दे दिया गया, जिसके संचालन की अनुमति विवि को है ही नहीं। इसका पता छात्रों को उस वक्त चलता है जब वे उच्च शिक्षा अथवा नौकरी के लिए आवेदन करते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए छात्रों को पहले ही मान्यता की जांच करने कहा गया है।

एनएसयूआई में अब नहीं होंगी नियुक्तियां, 12 साल बाद संगठन चुनाव की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय छात्रसंघ में अब नियुक्तियां नहीं होंगी। एनएसयूआई के सभी पद चुनाव के माध्यम से भरे जाएंगे। शुक्रवार को हुए एक अहम बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। ऑनलाइन मोड में हुई इस बैठक में देशभर के 62 राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्यों ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ में एनएसयूआई का संगठन चुनाव अंतिम बार 2014 में हुआ था। उक्त चुनाव में आकाश शर्मा प्रदेशाध्यक्ष चुने गए थे। वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडेय की नियुक्ति मनोनयन के आधार पर हुई थी। अब मनोनयन पूर्णतः बंद कर दिया जाएगा। प्रदेश स्तर पर महासचिव, सचिव, उपाध्यक्ष सहित जिला स्तर पर जिलाध्यक्ष सहित अन्य सभी पदों के लिए संगठन चुनाव होंगे।

- **शुक्रवार को ऑनलाइन हुई बैठक में फैसला, नहीं बांटे जा सकेंगे थोक में पद**

सदस्य ही कर सकेंगे वोट

जो छात्र एनएसयूआई के सदस्य हैं, वे ही संगठन के पदाधिकारी चुनने वोट कर सकेंगे। इसके लिए पहले मेंबरशिप की प्रक्रिया चलेगी। आगामी चुनाव को देखते हुए नई जिम्मेदारियां भी बैठक में बांटी गई। एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि छग सहित पूरे देश में चुनाव संबंधित प्रक्रिया अगले माह से प्रारंभ कर दी जाएगी। सर्वप्रथम एनएसयूआई के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसके पश्चात चुनाव संबंधित शेड्यूल जारी होंगे। सूत्रों का कहना है कि एक ही पद को थोक में कई व्यक्तियों को बांटे जाने की प्रथा पर इससे अंकुश लगेगा। कार्यकर्ताओं में लंबे समय से छाई उदासीनता भी चुनाव संबंधित फैसले के बाद खत्म हो सकेगी।

अगस्त से प्रारंभ होगी प्रक्रिया

कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी है। हमने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुनाव के जरिए चुना। छात्र इकाई में भी अब चुनाव के माध्यम से ही पद भरे जाएंगे। छग में अगस्त माह से यह प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

- **वरुण चौधरी,** राष्ट्रीय अध्यक्ष, एनएसयूआई

मेगा 2025-एमएसएमई उद्यमी गौरव पुरस्कार आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) के नवाचार, साहस और सामाजिक-आर्थिक योगदान को सम्मानित करने राज्य के पहले मेगा एमएसएमई एंटरप्रेन्योर्स गौरव अवार्ड 2025 का आयोजन 19 जुलाई को होटल कोर्टयार्ड मैरियट में होने जा रहा है। विशिष्ट अतिथि मंडल में सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, विशेष अतिथि कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी हैं। विभिन्न श्रेणियों में प्रभाव आधारित सम्मान (इंपैक्ट-ड्रिवन कैटिगरीज) एक मजबूत और अनुभवी बाहरी तथा आंतरिक जूरी पैनल, मेगा के विजनरी लीडर रोहित राज एक अनुभवी एमएसएमई ट्रेनर, फ्यूचर माइंडसेट एक्सपर्ट और बिजनेस कोच हैं, जो पिछले एक दशक से भारत के एमएसएमई उद्यमियों के साथ कार्य कर रहे हैं। आयोजक संस्थाओं में प्रस्तुतकर्ता लर्निंग बैगर्स पीवीटी, कार्यक्रम निदेशक वीरेन नागवंशी, सीईओ मिलेनियल नेटवर्क मेगा 2025 जूरी पैनल, जूरी सदस्य दर्शन संखला, रोलबोल कम्युनिटी के संस्थापक, कल्पवृक्ष के निर्माता, टेडीएक्स, जोश टॉक्स, रोलबोल टॉक्स में वक्ता, यूट्यूब पर सिल्वर क्रिएटर अवार्ड, विक्रमादित्य तीर्थानी, संस्थापक एवं सीईओ मेडिकलिक वेबहेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. यूसुफ मेमन, निदेशक एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल, सुश्री शुभिका जैन, फाउंडर एंड सीईओ रस लक्जरी, फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30 कोमल शिल्पी सिंह, अनुभूति राज, राहुल दीक्षित समेत सभी विशेषज्ञों ने पारदर्शिता, निष्पक्षता और उद्योग समझ के साथ नामांकनों का मूल्यांकन किया है।

पेज 09 के शेष ...

इंजीनियरिंग छात्र सीखेंगे...

संगीत में एआई पर शोध : ट्रिपलआईटी की ह्यूमैनिटीज विभागाध्यक्ष डॉ.श्रेशा यादव ने बताया की बहु विषयक और समग्र शिक्षा के अंतर्गत तकनीकी छात्रों को भारतीय संगीत, नाट्य, चित्रकला व संस्कृति से परिचित कराया जाएगा। वहीं कला के छात्रों को डिजिटल टेक्नोलॉजी, एआई, डिजाइनिंग थिंकिंग आदि की स्किल सिखाई जाएगी। ये पाठ्यक्रम लचीले रहेंगे। अर्थात कला के छात्र तकनीकी विषय का चुनाव कर सकेंगे तथा तकनीकी छात्र कला के विषयों का चुनाव कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें क्रेडिट अंक भी प्रदान किए जाएंगे। संगीत में एआई जैसे कई विषयों में रिसर्च की भी तैयारी है। छत्तीसगढ़ी, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में सांस्कृतिक सामग्री का डिजिटलीकरण छात्र मिलकर करेंगे।

न्यूरोलॉजी हास्टल के लिए...

वाहन पहले डीएमई कार्यालय के रूप में उपयोग होने वाले नर्सिंग हास्टल के भवन के सामने पड़े थे। इनमें एंबुलेंस के साथ अन्य तरह की दर्जनभर से ज्यादा गाड़ियां हैं। पुराने भवन के जीर्णोद्धार की वजह से तहसील कार्यालय के यहां शिफ्ट किए जाने के बाद इन वाहनों को डीके अस्पताल की उस जमीन पर डंप कर दिया गया, जिसकी सहमति अस्पताल प्रबंधन से भी नहीं ली गई। सूत्रों का कहना कि कबाड़ हो चुके इन वाहनों में ज्यादातर स्वास्थ्य विभाग से संबंधित हैं। कुछ साल पहले ऐसे वाहनों को सूचीबद्ध कर कबाड़ में नीलामी करने की योजना बनाई गई थी, जो पूरी नहीं हो पाई थी।

भारतमाला परियोजना घोटाला, तत्कालीन...

साहू ने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन पेश करते हुए उल्लेख किया था कि जब घोटाला हुआ, उस समय उनकी रायपुर में पोस्टिंग नहीं थी। 12 फरवरी 2020 के पहले वे रायपुर और अभनपुर में पदस्थ नहीं थे। उन्हें सात अक्टूबर 2020 को संयुक्त कलेक्टर रायपुर और 15 अक्टूबर 2020 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अभनपुर एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन के रूप में पदभार ग्रहण कराया गया था। उनका भूमि अधिग्रहण से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं रहा है। साथ ही उन्होंने अग्रिम जमानत मिलने पर ईओडब्लू तथा एसीबी को जांच में सहयोग करने की बात कही। अभियोजन पक्ष ने याचिका का विरोध करते हुए अदालत को बताया कि जांच में अब तक 40 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला सामने आ चुका है और यह राशि और बढ़ सकती है। अभियोजन ने यह भी बताया कि आरोपी की अन्य आरोपियों से साठगांठ और पद के दुरुपयोग के इनपुट जांच एजेंसी को मिले हैं। ऐसे में जमानत दिए जाने से जांच प्रभावित हो सकती है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने एसडीएम निर्मय साहू की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

शराब घोटाले में आबकारी...

आबकारी अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट में 31 सौ पन्नों का चालान पेश किया था। चालान पेश होने के बाद आबकारी अधिकारियों ने गिरफ्तारी से बचने कोर्ट में अग्रिम जमानत आवेदलन पेश किया था। आबकारी अधिकारियों ने शराब घोटाला की जांच में ईओडब्लू एसीबी को सहयोग करने तथा सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत का लाभ देने आवेदन पेश किया था। कोर्ट में जिन आबकारी अधिकारियों ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन पेश किया था, उनमें आबकारी अधिकारी प्रमोद कुमार नेताम, नीतू नोतानी ठाकुर, एलएल ध्रुव, इकबाल अहमद खान, जनार्दन सिंह कौरव, अरविंद कुमार पाटले, दिनकर वासनीक, नोहर सिंह ठाकुर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, विकास कुमार गोस्वामी, रामकृष्ण मिश्रा, मंजूश्री कसेर, विजय सेन शर्मा, अनिमेश नेताम, मोहित कुमार जायसवाल, गंभीर सिंह नूरूटी, नीतिन कुमार खंडुजा, अश्वनी कुमार अनंत, अनंत कुमार सिंह, सोनल नेताम, सौरभ बक्शी, गरीब पाल सिंह दर्दी एवं जेठू राम मंडावी के नाम शामिल हैं। शराब घोटाले के एक अन्य सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी ने स्वास्थ्य खराब होने की वजह से कोर्ट में आवेदन पेश नहीं किया।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 19 जुलाई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

फैशन से फूड तक कमाई का जरिया ....

लाइव इवेंट

न्याय में एआई की भूमिका पर होगी ऑनलाइन चर्चा एचएनएलयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 20 सितंबर को

रायपुर। हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उभरता हुआ न्यायशास्त्र : सामाजिक-वैधानिक प्रभाव" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की घोषणा की है, जो 20 सितंबर 2025 शनिवार को ऑनलाइन आयोजित है। यह सम्मेलन एचएनएलयू के सेंटर फॉर इंटरनेट गवर्नेंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेंटर फॉर प्राइवेसी एंड डेटा प्रोटेक्शन द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में एआई के बढ़ते उपयोग से उत्पन्न कानूनी, नैतिक और सामाजिक चुनौतियों पर चर्चा करना है। इस कार्यक्रम में एआई के कानूनी प्रक्रिया पर पड़ने वाले परिवर्तनकारी प्रभावों की गहन समीक्षा की जाएगी, जिनमें मुकदमे की रणनीति में पूर्वानुमान विश्लेषण, एआई-सहायता प्राप्त कानूनी शोध और न्यायिक प्रणालियों में स्वचालित निर्णय शामिल हैं। साथ ही एआई अनुप्रयोगों को संचालित करने के लिए आवश्यक नियामक ढांचे और नैतिक मानकों के विकास पर भी चर्चा होगी।

एआई के प्रभाव का विश्लेषण भी किया जाएगा

एआई के उपयोग से उत्पन्न उत्तरदायित्व और जवाबदेही के प्रश्न विशेष रूप से तब जब स्वायत्त प्रणालियों में कोई गड़बड़ी हो या नुकसान हो, उस पर भी प्रमुखता से विचार किया जाएगा। सम्मेलन में गोपनीयता और डेटा सुरक्षा पर एआई के प्रभाव का विश्लेषण भी किया जाएगा, ताकि बिग डेटा और मशीन लर्निंग के दौर में व्यक्तिगत जानकारी की रक्षा के लिए कानूनी उपाय तलाशे जा सकें। अन्य महत्वपूर्ण विषयों में बौद्धिक संपदा से जुड़ी चुनौतियां, न्याय तक पहुंच बढ़ाने में एआई की क्षमता, एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह के जोखिम, पर्यावरण संरक्षण में एआई की भूमिका और साइबर सुरक्षा शामिल हैं। शोधपत्र शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों, विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों से आमंत्रित किए गए हैं।

प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण तिथियां

20 अगस्त तक सारांश जमा करने की अंतिम तिथि, 25 अगस्त तक चयनित सारांश की सूचना, 5 सितंबर तक पंजीकरण और शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि तथा 10 सितंबर तक पूर्ण शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि। पंजीकरण शुल्क छात्रों और शोधार्थियों के लिए 1000, शिक्षकों के लिए 1500 तथा विदेशी प्रतिभागियों के लिए 30 अमेरिकी डॉलर निर्धारित है।

किकबॉक्सिंग : छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, 5 खिलाड़ियों ने दर्ज कराई जीत

पहले 5 मिनट की फाइट के लिए महीनों की तपस्या, अब वजन घटाने खिलाड़ी सिर्फ पानी-फल पर कर रहे गुजारा

वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में इंडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ ने शुक्रवार को दमदार प्रदर्शन दिखाया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की फाइट में तकनीक, दमखम और आत्मविश्वास का जबरदस्त मेल देखने को मिला, जो दर्शकों को भी आकर्षित कर रहा है। हरिभूमि ने खिलाड़ियों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि किकबॉक्सिंग में वजन की भूमिका अधिक होती है, इसलिए प्रतियोगिता में खाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। प्रतियोगिता के कई खिलाड़ियों ने वजन सही रखने के लिए खाना कम कर दिया है। उनका कहना है कि यही इस खेल की चुनौती है।

रायपुर। थोड़ा भी वजन अधिक हुआ तो मेहनत खराब हो जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ी मुकाबले के सप्ताह में सिर्फ उबला खाना, फल या पानी पर निर्भर हैं। यह स्थिति तब और भी कठिन हो जाती है, जब शरीर को ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। खिलाड़ी ने बताया कि कई बार भूख इतनी लगती है कि सबकुछ छोड़कर खाना खा लें, लेकिन अगले दिन वेट मशीन पर एक किलो भी बढ़ गया तो मैच नहीं खेल पाएंगे। इसलिए खुद से जंग लड़नी पड़ती है। हमारा डेली रूटीन तो फिजिकल ट्रेनिंग का है, लेकिन सबसे बड़ी मानसिक चुनौती है खानपान पर कंट्रोल।

इस खेल में कोई शॉर्टकट नहीं

महिला किकबॉक्सर संजना मिंज बताती हैं कि "किकबॉक्सिंग लड़कियों के लिए आसान खेल नहीं है। कई बार खुद के शरीर पर चोटें लगती हैं, ब्लडिंग होती है, लेकिन हार नहीं मानते। शुरुआत में घर में भी विरोध था 'ये लड़कियों का खेल नहीं है।' पर आज जब मेडल लेकर घर जाती हूं तो वही लोग गर्व से बोलते हैं 'ये हमारी बेटी है।

मैट पर उतरने से पहले पेट खाली

राष्ट्रीय स्तर पर शानदार फाइट करने वाले सागर कहते हैं, हमारा दिन सुबह 5 बजे शुरू होता है। डायट कंट्रोल, वेट कटिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सबकुछ सटीक होना चाहिए। एक बार में 5 मिनट की फाइट के लिए महीनों तैयारी करनी पड़ती है। इस खेल में कोई शॉर्टकट नहीं। हर फाइट आपकी मानसिक और शारीरिक परीक्षा होती है। प्रतियोगिता से पहले 3 किलो वजन बढ़ गया था, जिसे कंट्रोल करने के लिए अब फल ओर पानी का सेवन कर रहा हूं। इस प्रतियोगिता में जीत से विश्व किकबॉक्सिंग की राह आसान हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रतियोगिता में सोनिया सिंह ने ओडिशा की खिलाड़ी को हराकर 50 किलोग्राम केएल वर्ग में बेहतरीन जीत हासिल की। वहीं सागर ठेला ने उत्तरप्रदेश के खिलाड़ी को 63 किग्रा पीएफ वर्ग में पराजित कर दमदार खेल दिखाया। महेश राजपूत ने भी ओडिशा के खिलाड़ी को 57 किग्रा वर्ग में हराते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। लोकिता चौहान ने उत्तरप्रदेश की खिलाड़ी को 40 किग्रा पीएफ वर्ग में मात दी, जबकि संजना मिंज ने ओडिशा की खिलाड़ी को 48 किग्रा लो किक वर्ग में हराकर विजयी प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के इन दमदार प्रदर्शनों से राज्य के खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। कोच और एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि आगे भी खिलाड़ी पदक तालिका में प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन देशभर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैगपाइपर की धुन पर खिलाड़ियों ने अपने-अपने राज्यों का परिचय देते हुए मैदान का चक्कर लगाया। इसके बाद सभी खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए अभ्यास शुरू किया। लंबे समय बाद राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के आयोजन से शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्टेडियम में खिलाड़ियों की फाइट देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और रोमांचित होते नजर आए।

मेडल जीतने के बाद प्राइवेट जॉब की मजबूरी

खिलाड़ी राजन सिन्धी का कहना है कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने के बावजूद नौकरी पाना आसान नहीं है। सरकारी खेल कोटा तो है, लेकिन किकबॉक्सिंग जैसे खेलों को उसमें जगह नहीं दी जाती। कई साथी खिलाड़ी अभी भी प्राइवेट जॉब्स कर रहे हैं या फिर कोचिंग देकर किसी तरह खर्च चला रहे हैं।"लड़कियों के लिए तो यह संघर्ष और भी ज्यादा है। हम सोचते हैं कि खेल में कुछ कर दिखाएं, पर नौकरी न मिलने से घरवालों का भरोसा टूटता है। खिलाड़ियों का कहना है कि खिलाड़ी बनने के बाद विकल्प बहुत सीमित हैं। ज्यादातर खिलाड़ियों को कोचिंग या फिटनेस ट्रेनर की ओर जाना पड़ता है, क्योंकि न कोई प्रोत्साहन मिलता है और न नौकरी की गारंटी। कई बार लगता है कि अगर नौकरी की चिंता न होती तो खेल में और भी अच्छा कर सकते थे।"

सिटी इवेंट

खिलौनों की दुनिया में छाए सुपरहीरो, स्पाइडरमैन से मेस्सी तक बच्चों के बने फेवरेट कैरेक्टर

रायपुर। बच्चों को अपने मनपसंद कैरेक्टर वाले खिलौने से खेलना सबसे अधिक भाता है। खिलौनों में पसंद की बात करें तो नई जनरेशन के बच्चों को उनके फेवरेट सुपर हीरो, स्पोर्ट्स स्टार्स, कार्टून कैरेक्टर थीम वाले टॉय पसंद आ रहे हैं। किड्स की चॉइस को ध्यान में रखकर ही शहर के खिलौना व्यापारी दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों से कैरेक्टर्स थीम के खिलौने मंगा रहे हैं। किड्स के फेवरेट खिलौनों में हॉलीवुड के सुपर हीरो, स्पाइडर मैन, डेडपूल, डॉ. स्ट्रेंज और कार्टून चैनल्स में आने वाले कार्टून सुपर हीरो गोकू, बाल गणेशा, बाल कृष्ण तो वहीं स्पोर्ट्स स्टार्स में फुटबॉलर मेस्सी, रोनाल्डो के कैरेक्टर्स वाले टॉय डिमांड में हैं। पंडरी रोड स्थित एक टॉय शॉप के खिलौना व्यापारी तोरन साहू ने बताया कि आज के समय में खास मटेरियल्स से बने कैरेक्टर्स बेस्ड किड्स टॉय की भारी डिमांड है। इसमें हॉलीवुड फिल्मों व कार्टून चैनल्स के सभी सुपर हीरो के कैरेक्टर्स वाले खिलौने का क्रेज किड्स में चल रहा है। किड्स अपने बेडरूम, स्टडी व प्ले जोन को अपने फेवरेट सुपर हीरो के टॉय को डेकोरेट कर साथ रखना पसंद कर रहे हैं।

कीमत 500 से 2000 रुपए तक

खिलौना व्यापारी ने बताया कि स्पेशल कैरेक्टर्स वाले टॉय की कीमत 500 रुपए से शुरू होकर 2000 हजार रुपए तक है। किड्स के लिए स्पेशल मटेरियल्स, डिजाइन, कलर्स से तैयार होने के चलते ये थोड़े महंगे हैं। वहीं देशभर में किड्स के फेवरेट होने के कारण बढ़ती डिमांड का असर इसकी कीमत पर पड़ा है। खिलौना व्यापारी ने बताया कि इन खिलौनों की डिमांड इतनी अधिक है कि पैरेंट्स अपने बच्चों को लेकर शॉप पर पहुंचते ही हैं।

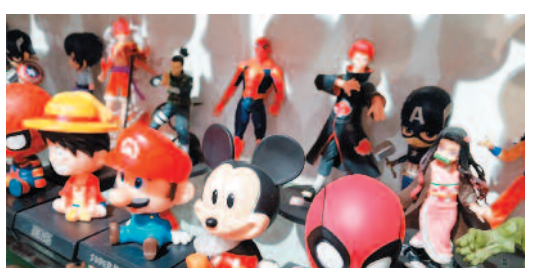

बर्थ-डे गिफ्ट में किड्स के फेवरेट टॉय

सुपर मारियो, डेडपूल, एक्समैन, सुपर डॉल, मिक्की माऊस, छोटा भीम जैसे अनेकों कैरेक्टर्स वाले टॉय किड्स की पहली पसंद बने हुए हैं। इसके चलते किड्स बर्थ-डे पार्टी में भी इसका चलन है। पैरेंट्स किड्स बर्थ-डे पार्टी में उनके फेवरेट कैरेक्टर वाले स्पेशल टॉय लेकर पहुंच रहे हैं। गिफ्ट में अपने फेवरेट सुपर हीरो के टॉय पाकर किड्स की खुशी दोगुनी हो जा रही है।

राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी अन्वेषा-2.0 में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा, हुए पुरस्कृत

रायपुर। राष्ट्रव्यापी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अन्वेषा-2.0 में प्रदेशभर के कॉलेज व विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने भाग लिया। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर द्वारा अन्वेषा-2.0 का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को न्यू सर्किट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्रों व पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्ताफ हुसैन हाजी, उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय रायपुर ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. व्यास दुबे, सदस्य, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, एन. बुलीवाल, अतिरिक्त संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन और प्रदीप चौरसिया, प्राध्यापक, सांख्यिकी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शामिल हुए।

विजेताओं को प्रमाणपत्र व नकद पुरस्कार

प्रतियोगिता में डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय की श्रीरंजिनी और मोक्षांशी पटेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और 10000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संदीप कुमार गुप्ता और विकास देवांगन को दूसरा स्थान प्राप्त होने पर 6000 रुपए नकद पुरस्कार दिया गया। तीसरे स्थान पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सुनील कुमार और काजल देवांगन को 4000 रुपए नकद पुरस्कार दिया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 28 महाविद्यालयों के 56 छात्रों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कृषि विवि में बीएससी प्रवेश की पहली काउंसिलिंग समाप्त, आज फीस भुगतान की अंतिम तिथि

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी यूजी 2025 में प्रवेश को लेकर पहला काउंसिलिंग चरण समाप्त हुआ। बीएससी यूजी के प्रथम प्रवेश चरण में कुल 2015 सीटों में 3982 अभ्यर्थियों ने फार्म भरा, जिसमें 1284 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों पुष्टि के हो चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक, 829 ने फीस का भुगतान कर दिया है। साथ ही 1861 सीटें रिक्त हैं। सभी दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद फीस भुगतान की अंतिम तिथि 19 जुलाई तक है।

द्वितीय चरण की काउंसलिंग 22 और 23 जुलाई को होगी

विवि से मिली जानकारी के मुताबिक, द्वितीय चरण की काउंसिलिंग 21 जुलाई से शुरू होगी। इस शेष रिक्त सीटों में अभ्यर्थियों का चयन उसी दिन किया जाएगा। द्वितीय चरण की काउंसलिंग 22 और 23 जुलाई को होगी। उसी दिन अभ्यर्थियों की दस्तावेज पुष्टि की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। साथ ही दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद फीस भुगतान लिया जाएगा और 25 जुलाई को रिक्त सीटों का परिवर्तन किया जाएगा।

कार्नर न्यूज

भगवान शिव-पार्वती बनकर नृत्य नाटिका का किया मंचन

खांव नहीं रे तोर रखिया के बड़ी ल... 6 साल की अनुषा और प्राप्ति ने दी जसगीत की अद्भुत प्रस्तुति

रायपुर। मै खांव नहीं, खांव नहीं रे....तोर रखिया के बड़ी ल....छत्तीसगढ़ जसगीत की शुरुआत होती ही दर्शकों में अद्भुत उत्साह देखा गया। 6 वर्षीय अनुषा मुखर्जी और प्राप्ति अग्रवाल की प्रस्तुति ने दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया, स्टेज पर जसगीत शुरू होते ही महादेव और माता पार्वती के बीच मीठी नोक-झोंक का दृश्य संगीत तथा नृत्य नाटिका के माध्यम से दिखाया गया। इस दौरान नन्हे कलाकारों की तीन मिनट की प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं, जहां दर्शक अद्भुत दृश्य को मोबाइल में कैद करते दिखे।

बच्चों से लेकर बुजुर्ग प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सावन माह के शुभ अवसर पर हरसंभव फाउंडेशन द्वारा सावन सुंदरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जहां 40 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य, गायन एवं संगीत स्पर्धा में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक ने अपनी प्रतिभा से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वृंदावन हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था की अध्यक्ष पुष्पलता त्रिपाठी ने बताया कि विगत 6 वर्षों से लगातार सावन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान प्रत्येक वर्ग को कलात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए मंच दिया जाता है।

पालकी में होके सवार चली रे...

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जहां कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गाने पर प्रस्तुति के साथ हुई। वहीं भारती शुक्ला ने राजस्थानी परिधान के साथ बॉलीवुड के लोकप्रिय सावन स्पेशल रिमिक्स गानों पर प्रस्तुति दी, जहां मोरनी बागां मा बोले आधी रात मा..पालकी में होके सवार चली रे..आदि गीत सुनने को मिले। देर शाम तक आयोजित कार्यक्रम में सुहागिन महिलाओं ने रैंप वॉक किया, जहां राजस्थानी, गुजराती, मराठी, साइथ इंडियन, छत्तीसगढ़ी जैसे लोक संस्कृति का दृश्य मंच पर दिखा। रैंप वॉक के दौरान महिलाओं में उत्साह देखा गया, जिन्होंने रैंप वॉक के दौरान अनोखे अंदाज में बॉलीवुड गीत गुनगुनाते हुए रैंप वॉक किया। इस दौरान संस्था की संरक्षक सीमा छाबड़ा और अर्चना शर्मा मौजूद रहीं।

सिटी लाइव

बच्चों में ब्लड से जुड़ी बीमारियों की निशुल्क जांच, 30 से अधिक को मिली मदद

रायपुर। जिला अस्पताल पंडरी के सहयोग से अस्पताल में ही ब्लड से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित बच्चों को निशुल्क जांच की सुविधा कोई अपना सा हो और फोर्टिस अस्पताल गुरुग्राम द्वारा शुक्रवार को दी गई। अलग-अलग क्षेत्रों से आए थैलेसीमिया और सिकलिन रोगियों के निशुल्क एचएलए टेस्ट के बाद सभी पीड़ितों का चेकअप किया गया। फोर्टिस अस्पताल से आए बोन मैरो ट्रांसप्लांट एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास दुआ ने बच्चों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने से पहले जांच की। खून से जुड़ी बीमारियों के चलते एनीमिया, लिम्फोमा, मायलोमा एवं प्लास्टिक एनीमिया का इलाज करने वाली एक्सपर्ट टीम ने सहयोग दिया। कैम्प को सफल बनाने में आयोजक संस्था की प्रमुख काजल सचदेव, संदीप कुकरेजा और सुरेश सचदेव ने सहयोग दिया।

समस्या से पीड़ितों को बचाने के लिए प्रयास

जिला अस्पताल में आयोजित कैम्प में 30 से ज्यादा पीड़ितों के ब्लड की जांच की गई। डॉक्टर्स द्वारा निशुल्क एचएलए और डीएनए टेस्ट का प्रोसेस किया। इसका लाभ लेने के लिए ऐसे ब्लड रोगी भी परिजनों के साथ पहुंचे, जिनका बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराने के लिए परिजन प्रयास कर रहे हैं। ऐसे बच्चों को किन दवाओं का सेवन करना है। इसकी जानकारी पीड़ित परिजनों को देते हुए बताया गया कि किस तरह से दवाओं के सेवन और हमेशा ब्लड चढ़ाने की समस्या से पीड़ित को बचाया जा सकता है। लोगों को यह जानकारी एक्सपर्ट डॉ. ढुआ ने दी। डॉ. श्वेता सोनवानी, डॉ. मिथिलेश के सहयोग से कैम्प संचालित किया गया।

समाज लाइव

कोरोना के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला दल रवाना

रायपुर। कोरोना महामारी के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा एक बार फिर शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ की नमन हॉलीडेज, जो पिछले 20 वर्षों से इस यात्रा का सफल संचालन कर रही है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ से पहला दल रवाना हुआ, जिसमें कुल 27 श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा का मार्ग रायपुर से लखनऊ, नेपालगंज, सिमिकोट, हिल्सा, ताकलाकोट होते हुए मानसरोवर तक तय किया गया है। कुल यात्रा अवधि 11 से 12 दिनों की रहेगी। कोविड-पूर्व की तुलना में अब यात्रा खर्च भी बढ़ा है, पहले जहां यह 2 लाख रुपए के भीतर था, अब प्रति यात्री अनुमानित खर्च 2.80 लाख से 3.20 लाख रुपए के बीच है। नमन हॉलीडेज के मुताबिक, इस खर्च में भारी वृद्धि के पीछे प्रमुख अमेरिकी डॉलर की दरों में वृद्धि है। इस अलावा चीनी परमिट शुल्क में भारी इजाफा, यात्रा एवं मेडिकल इंश्योरेंस की दरों में बढ़ोतरी शामिल है। इससे शिवभक्तों के लिए कैलाश दर्शन करना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है। यात्रियों ने इस विषय को विधानसभा अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री से चर्चा में रखा है, जिस पर राज्य सरकार द्वारा वर्तमान 50000 की सब्सिडी को 100000 रुपए तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया गया है।

युवा बना रहे डिजिटल पहचान, ब्रांड प्रमोशन कर कमा रहे नाम और पैसे

फैशन से फूड तक कमाई का जरिया बना क्रिएटिव कंटेंट प्रमोशन के लिए कंपनियों की पहली पसंद बने इंफ्लुएंसर

कम समय में अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अब कंपनियों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। वर्तमान समय में सोशल मीडिया सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है, जहां किसी भी जानकारी को तेजी से और प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। यही कारण है कि अब ब्रांड प्रमोशन और मार्केटिंग के लिए कंपनियां लोकप्रिय इंफ्लुएंसर को हायर कर रही हैं, जिनकी कंटेंट शैली अनोखी हो और जिनकी सोशल मीडिया पर अच्छी पहुंच हो।

रायपुर। हरिभूमि ने शहर के कुछ प्रमुख इंफ्लुएंसर से बातचीत की। उन्होंने बताया कि आज के युवा अपनी स्किल्स और क्रिएटिव कंटेंट के माध्यम से कमाई का जरिया बना रहे हैं। हालांकि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें लगातार एक साल या उससे ज्यादा समय तक मेहनत करनी पड़ती है, तब जाकर कंटेंट की एक अलग पहचान बनती है। शहर में अब हजारों की संख्या में युवा इंफ्लुएंसर सक्रिय हैं, जो विभिन्न विषयों जैसे फैशन, फूड, ट्रैवल, और लोकल एक्सप्लोरेशन पर वीडियो और रील्स तैयार कर रहे हैं। कंपनियां अब टार्गेट ऑडियंस तक सीधे पहुंचने के लिए उन्हीं इंफ्लुएंसर को प्राथमिकता दे रही हैं, जो संबंधित विषय में पहले से स्थापित और विश्वसनीय चेहरा बन चुके हैं। शहर के इंफ्लुएंसर का कहना है कि सोशल मीडिया अब सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह व्यवसाय और कॅरियर का भी मजबूत प्लेटफॉर्म बन गया है।

दो साल के बाद मिली पहचान

स्पर्श लखीना शहर के फूड ब्लॉगर हैं, जिन्होंने 2021 में वीडियो बनाने की शुरुआत की। उन्होंने शहर के हर रेस्तरां, कैफे, होटल व स्ट्रीट फूड में जाकर वीडियो बनाए, साथ ही लोगों को अपनी ब्लॉगिंग के जरिए नए-नए फूड्स के बारे में बताया। फूड्स चखने के साथ उससे जुड़े हर स्वाद के बारे में वीडियो के जरिए बताया। उन्होंने आगे बताया कि शौक में स्टार्ट किया ये सफर इनकम के साथ लोगों से जोड़ने का काम भी किया। वर्तमान में इंस्टा पर 35.6 हजार, यूट्यूब पर 61.2 हजार और फेसबुक पर 1 हजार फॉलोअर्स के साथ 1000 से अधिक पोस्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा, शुरुआत के एक से दो साल कंटेट पर मेहनत करनी होती है। जब मार्केट में पहचान बन जाती है तो ब्रांड प्रमोशन खुद मिलना शुरू हो जाता है। वर्तमान में एक वीडियो प्रमोशन के लिए 10 से 15 हजार रुपए लेते हैं।

वीडियो सीरीज से लोगों को जोड़ा

शहर के जीत वर्मा और भानु तिवारी ने 2022 से शहर के फूड, फैशन, ट्रैवलिंग, लाइफस्टाइल पर वीडियो बनाने की शुरुआत की। उन्होंने शहर की हर गली, मॉल, दुकान, मंदिर, ट्रेंड पर वीडियो बनाए। उन्होंने बताया कि शहर के प्राचीन मंदिर पर जब वीडियो सीरीज की शुरुआत की तो हर वीडियो पर मिलियन व्यूज आने लगे। जब 30 हजार फॉलोअर्स हुए तो लोकल दुकानों का प्रमोशन करने का काम मिलना शुरू हुआ। लगभग 2 साल बाद बड़े-बड़े ब्रांड प्रमोशन मिलने लगे। शुरुआत में प्रमोशन के लिए 1 हजार रुपए लेते थे। वर्तमान में ब्रांड प्रमोशन के लिए 10 से 15 हजार व लोकल के लिए 7 से 8 हजार एक वीडियो का लेते हैं। उन्होंने आगे बताया कि महीने में 3 से 4 ब्रांड प्रमोशन और लोकल 10 से 15 वीडियो बनाते हैं। वर्तमान में इंस्टा पर 50 हजार ,यूट्यूब पर 25 हजार फॉलोअर्स हैं। अब तक 400 से अधिक पोस्ट कर चुके हैं।

दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास

सांसारिक सुख का अवसर मिले तो पाप करने को तैयार रहता है मनुष्य

रायपुर। दादाबाड़ी में आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला में हंसकीर्ति श्रीजी धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का पठन कर रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को उन्होंने कहा कि दुनिया में चार प्रकार के लोग रहते हैं, पहला जो दूसरों को खुश करके खुश होता है, दूसरा वह जो दूसरों को खुश देखकर खुश होता है, तीसरा वह जो दूसरों को दुखी देखकर खुश होते है और चौथा वह जो दूसरों को दुखी करके खुश होता है। अब आप खुद को पहचाने कि आप किस प्रकार के व्यक्ति हैं। साध्वी जी कहती हैं कि हम यह पहचान नहीं पाते कि हम कैसे व्यक्ति हैं क्योंकि हमें जब भी वर्तमान में सांसारिक सुख प्राप्त करने का अवसर मिलता है तो हम पाप करने के लिए तैयार हो जाते हैं। फिर हमारे साथ जो होता है उससे बचने हमें धर्मसत्ता की शरण में जाना पड़ता है क्योंकि कर्मसत्ता से हमें केवल धर्मसत्ता ही बचा सकती है।हमेशा यह होता है कि पाप करने का समय आए तो मन उसमें ढल जाता है लेकिन जब धर्म करने का समय आए तो मन नहीं लगता। वर्तमान में जब सुख भोगने का मौका मिला तो व्यक्ति भविष्य की चिंता नहीं करता।

जीवन में पुरुषार्थ से आता है गुण

वर्तमान में सुख प्राप्त करने की चाह आपको पाप के रास्ते में चलने पर मजबूर कर देता है। जबकि वर्तमान में दुख सहन कर लेना चाहिए क्योंकि दुख पाप के उदय से आता है जिसे हमें सहन कर लेना चाहिए। दूसरे के जीवन को देखकर सुख की आशा न करें क्योंकि सुख प्राप्त करने के लिए पुण्य चाहिए और जीवन में गुण पुरुषार्थ से आता हैं, दूसरों के गुणों को देखिए, उन्हें अपनाइए।श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय कुमार मंसाली, आत्मोत्थान चातुर्मास समिति 2025 के अध्यक्ष अमित मुणोत ने बताया कि दादाबाड़ी में सुबह 8.45 से 9.45 बजे साध्वीजी का प्रवचन होगा। आप सभी से निवेदन है कि जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

उत्तराध्ययन सूत्र केवल श्रवण नहीं आत्मा में उतरने योग्य साधना

श्री विमलनाथ भगवान के मंदिर में चल रहे चातुर्मास के अंतर्गत शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र का शुभारंभ गुरुभगवंत श्री तीर्थप्रेम विजय जी महाराज साहेब की पावन उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कहा कि यह सूत्र केवल श्रवण का विषय नहीं, बल्कि आत्मा की गहराई में उतरने योग्य आध्यात्मिक रस है, जिसे वही प्राप्त कर सकता है जो पात्र हो।गुरुभगवंत ने कहा कि संसार में उपलब्धियां पुण्य से, जबकि जैन शासन में पात्रता से मिलती हैं। उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन एक सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि संयम और साधना से जुड़ा गंभीर प्रयास है। उन्होंने सूत्र की तीन प्रमुख पात्रताओं का उल्लेख किया। पहला, संयोग-विप्प मुक्कस (जो सांसारिक बंधनों से मुक्त हो), दूसरा, अणगारसा (जो तपस्वी जीवन की ओर बढ़ रहा हो)। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक व्यक्ति विषयों का त्याग नहीं करता, तब तक वह इस सूत्र की आत्मा को नहीं पा सकता। रविवार को बच्चों के लिए संस्कार सिंचन शिविर का आयोजन किया गया। यह सिविर 8 से 20 वर्ष तक के बच्चों के लिए रखा गया है। समय दोपहर 2.30 से 4.30 बजे रहेगा, जिसमें उन्हें जैन संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संयमित जीवन की दिशा में मार्गदर्शन दिया जायेगा है।

चालीहा महोत्सव : सांईं शेहरा वाले ने बांटी 'आस की मटकी'

रायपुर। सिंधी समाज द्वारा तेलीबांधा स्थित गली नंबर-3 में चालीहा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए अहमदाबाद से आए साईं शेहरा वाले का भव्य स्वागत किया गया। इस संबंध में सेवादार महेश रोहरा, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने बताया कि समाजजनों द्वारा किए गए स्वागत के बाद साईंजी ने तेलीबांधा में आस की मटकी का वितरण किया। लोगों को बताया कि इसमें जल भरकर 40 दिनों तक विधि-विधान से पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। सत्संग के दौरान बताया कि भगवान झूलेलाल का अवतरण मानव सेवा और जीवों का कल्याण करने के लिए हुआ। अगर झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त करना है तो मूक जीवों की सेवा के साथ मानव सेवा को ही एकमात्र लक्ष्य बनाकर काम करना होगा। चालीहा महोत्सव में किए जा रहे व्रत में आप जो भी मन्नत मांगेंगे, वह जरूर पूरी होगी, क्योंकि झूलेलाल 40 दिन के जप तप के बाद ही प्रसन्न हुए और अवतार लिया था। उसी तरह आपके जीवन में जो दुख हैं, वे 40 दिन उपवास के बाद जरूर दूर होंगे।

डॉक्टर्स ने सीनियर नर्सेस का किया सम्मान

रायपुर। वैदही मुस्कान सोशल वेलफेयर की ओर से नर्सेस व डॉक्टर का सम्मान किया गया। मेडिको रक्षक अवार्ड के सीजन 3 में डॉक्टर्स के हाथों सीनियर नर्सेस का सम्मान किया गया, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से वर्षों सेवा में गुजार दिए और आज भी सेवा दे रही हैं। मुख्य अतिथि वीणा रमन सिंह, स्वाति जलाल, एडवोकेट जया गुप्ता, डॉ. भोजवानी, डॉ. आरती साठे, ज्योतिष मंजुला शुक्ला रहे। इस दौरान अवार्ड पद्मा घोष, डॉ. उमा स्वामी, डॉ. नेहा अग्रवाल, डॉ. धृति शर्मा, डॉ. मिविका साहू, पूर्णिमा सोनी, डॉ. सारिका श्रीवास्तव, डॉ. प्रिया जोशी को मिला। इस दौरान संगीत विद्यालय एवं सरस्वती संगीत विद्यालय के बच्चों ने बेहतरीन संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी।

नाश्ते में दलिया-खिचड़ी, उपमा करें शामिल बच्चों से छुड़ाएं प्रोसेस्ड फास्ट फूड की आदत

पैकेज फूड्स में अधिक चीनी, नमक, वसा, आर्टिफिशियल फ्लेवर, रंग और प्रिजर्वेटिव्स का सेहत पर प्रतिकूल असर

रायपुर। सोसाइटी में लगातार पैकेज फूड्स यानी प्रोसेस्ड फूड खानपान की शैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं। ऐसे में डायटिशियन बच्चों को प्रोसेस्ड फूड्स की आदत छुड़ाने उनके नाश्ते में दलिया, खिचड़ी, उपमा जैसे होममेड फूड्स को बेहतर विकल्प बता रहे हैं। सिटी के बेस्ट डायटिशियन अनुराग चौरसिया का कहना है कि बच्चों की सेहत के लिए प्रोसेस्ड फूड्स किसी भी दृष्टि से सेहतमंद नहीं कहे जा सकते। एक डायटिशियन होने के नाते पैरेंट्स को सलाह दूंगा कि जब भी कार्टून प्रिंट वाले पैकेज फूड को डेलीनिड्स शॉप पर देखकर बच्चे इसे खाने की जिद करें तो उन्हें होममेड हेल्दी फूड्स देकर प्रोसेस्ड फूड की आदत छुड़ा सकते हैं। डायटिशियन का कहना है कि फूड पैकेज में अक्सर अधिक चीनी, नमक, अस्वास्थ्यकर वसा, आर्टिफिशियल फ्लेवर, रंग और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो बच्चों और बड़ों दोनों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनसे कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती हैं। पैकेज फूड्स का सेवन बच्चों को न कराएं, इसके लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। हालांकि अब सोसायटियों में स्वस्थ जीवनशैली के लिए स्वस्थ आहार को लेकर कार्यक्रम होने लगे हैं, जहां पर बच्चों के पैरेंट्स को खासकर पैकेज फूड्स से बच्चों को दूर रखने जागरूक किया जाता है। हेल्दी डाइट चार्ट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए ताजे, बिना प्रोसेस्ड होममेड खाद्य पदार्थों का सेवन करना और पैकेट वाले फूड्स से बचना बेहद जरूरी है।

होममेड फूड्स और ताजे फलों का आदत डालें

पैकेट वाले फूड्स में पोषक तत्वों की कमी होती है। इनमें अक्सर फाइबर, विटामिन और मिनरल्स जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। डायटिशियन के मुताबिक, इनका सेवन बच्चों में एलर्जिक रिएक्शन, अस्थमा और गठिया जैसी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। ऐसे में होममेड फूड्स व ताजे फलों के सेवन की बच्चों में धीरे से आदत डालना उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए सबसे अच्छा होगा।

बड़े भी बरतें खानपान में सावधानी

प्रोसेस्ड फूड्स के सेवन को लेकर बड़ों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। प्रोसेस्ड फूड्स में उच्च चीनी और कृत्रिम सामग्री वयस्कों में भी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे अवसाद और एंग्जाइटी को बढ़ावा दे सकती है। यह संज्ञानात्मक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन फूड्स में फाइबर की कमी के कारण कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। हानिकारक रसायन फूड पैकेजिंग में कई तरह के रसायन पाए जाते हैं, जो भोजन में मिल सकते हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकते हैं।

हेल्थ टिप्स

तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से पहले जान लीजिए सही तरीका

हमारे भारतीय घरों में सेहतमंद रहने के लिए कई बातों को फॉलो किया जाता है। खान-पान से लेकर सोने-जागने के समय तक कई ऐसी बाते हैं, जिन्हें अगर आप सही तरीके से फॉलो करें, तो बीमारियां आपसे कोसो दूर रहेंगी। आपने घर में बुजुर्गों में खाली पेट गुनगुना पानी पीते, नीम की दातुन से दांत साफ करते, सुबह उठकर ध्यान करते और मौसम के हिसाब से खान-पान में बदलाव करते देखा होगा। असल में इन बातों में ही हेल्दी रहने का राज छिपा है। काफी घरों में लोग तांबे के बर्तन में रखकर पानी पीते हैं। बेशक तांबे के बर्तन में रखा पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि तांबे के बर्तन में पानी कितनी देर रखना चाहिए और इसका सही तरीका क्या है? इस बारे में हैदराबाद के फिजिशियन डॉ. रंगा संतोष कुमार ने विस्तार से बताया।

तांबे के बर्तन में रखा पानी सेहत के लिए फायदेमंद

एक्सपर्ट का कहना है कि तांबे के बर्तन में पानी रखकर पीना हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन, इससे फायदा पाने के लिए आपको यह पता होना जरूरी है कि इसका सही तरीका क्या है। तांबे के बर्तन में पानी रखकर पीना भारतीय घरों में लंबे वक्त से किया जा रहा है। आपको पानी को तांबे के बर्तन में रूम टेम्परेचर पर 6-8 घंटे या रातभर रखना चाहिए। इससे कॉपर के एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पानी में मिल जाते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि इन गुणों के कारण, यह आपकी इम्यूनिटी, स्किन हेल्थ और डाइजेशन को सुधार सकता है। अगर आप जंग लगे तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करेंगी या इसमें पानी को लंबे समय तक छोड़ देंगी, तो इससे तांबे की विषाक्तता हो सकती है। वहीं, अगर आप बहुत कम देर के लिए पानी में तांबे के बर्तन में रखेंगी, तो इससे शरीर को फायदा नहीं मिलेगा। अधिक देर तांबे के बर्तन में रखे पानी को पीने से मतली, पेट दर्द और गंभीर स्थितियों में किडनी या लिवर को नुकसान हो सकता है। गर्मी और एसिडिटी, तांबे के रिसाव को सही सीमा से ज्यादा बढ़ा सकती है। इसलिए हमेशा साफ और अच्छी तरह से रखे गए तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करें। इसमें गर्म पानी या एसिड वाली कोई चीज न रखें। अगर आप तीन महीने तक लगातार तांबे के बर्तन में रखा पानी पी रही हैं, तो इसके बाद कुछ वक्त के लिए ब्रेक लें। दिन में 2-3 गिलास से ज्यादा कॉपर इंफ्यूज्ड वॉटरनहीं पीना चाहिए।

क्या है कॉपर चार्ज्ड वॉटर

तांबे के बर्तन या बोतल में पानी भरकर उसे आठ घंटे के लिए छोड़ दें। सुबह इस पानी को पिएं। इस प्रक्रिया को ऑलिगोडायनेमिक इफेक्ट कहते हैं, जिसमें तांबे के गुण पानी में मिल जाते हैं। यही पानी ताम्र जल या कॉपर चार्ज्ड वॉटर कहलाता है। तांबा पानी में मौजूद कई प्रकार के बैक्टीरिया का ख़ात्मा कर उसका शुद्धीकरण करता है। पानी को बारह घंटे से ज़्यादा ना रखें। कितना पिएं आयुर्वेद के अनुसार, ताम्र जल सुबह ख़ाली पेट पीना चाहिए। एक दिन में दो गिलास ताम्र जल पीना पर्याप्त है। इस जल को पीने की शर्त है कि पेट ख़ाली होना चाहिए। लगातार पंद्रह दिन नियमित रूप से तांबे के बर्तन का पानी पीने के बाद दो-तीन दिन इससे ब्रेक लें। इस दौरान शरीर में अतिरिक्त तांबे की मात्रा व अन्य टॉक्सिन बाहर निकल आएंगे।

ये सावधानियां ज़रूरी

तांबे की बोतल या बर्तन ख़रीदते समय ध्यान रखें कि ये सर्टिफिकेट के साथ लिए जाएं। ये पूरी तरह तांबे के ही होने चाहिए, किसी अन्य धातु के मिश्रण से बने हुए ना हों। नए बर्तन को नींबू के पानी से धोएं, फिर इस्तेमाल करें। बोतल या बर्तन को भरने से पहले उसे रोज़ अच्छी तरह साफ़ करें। पुराने पानी को ख़ाली करने के बाद नया पानी भरें। तांबे के बर्तन में रखा पानी या बोतल कभी रेफ्रिजरेटर में नहीं रखें। तांबे के बर्तन का पानी किसी अन्य धातु में ख़ाली न करें। उसे तांबे के बर्तन या बोतल से ही पिएं। कांच के गिलास में पी सकते हैं। यदि गरम या गुनगुना पानी पीने की आदत है तो तांबे के बर्तन को ही गैस पर चढ़ाएं। किसी अन्य धातु के बर्तन में पानी ख़ाली करके गरम न करें।

क्यों है फ़ायदेमंद

तांबे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कैंसर के कारक फ्री रेडिकल्स और उनके दुष्प्रभाव को कम करने में मददगार हैं। तांबे में मेलानिन मौजूद होता है, जो हमारी त्वचा को सूर्य विकिरणों से होने वाले नुक़सान से बचाता है।

बारिश के दिनों में सेहत का रखें पूरा ख्याल

मानसून में संक्रामक रोगों से बचे रहना है तो करें तगड़ा उपाय, तनाव-शुगर भी रहेगा आपके नियंत्रण में

मानसून के मौसम में कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। इनसे बचे रहने के लिए कुछ जरूरी उपाय किए जा सकते हैं। मानसून के दिनों में सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। नमी वाले इस मौसम में कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में तुलसी का काढ़ा पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।तुलसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जिसे भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में विशेष स्थान प्राप्त है। मानसून के दौरान संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और तुलसी का काढ़ा इनसे बचाव में सहायक हो सकती है। अध्ययनों में तुलसी की पत्तियों और इसके अर्क को सेहत के लिए बहुत लाभप्रद पाया गया है। इसमें विटामिन-ए और सी के साथ कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है जिसकी हमारे शरीर को नियमित आवश्यकता होती है। आपको फ्लू जैसे संक्रामक रोगों से बचाने से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने तक के लिए इसे फायदेमंद पाया गया है।

कैसे बनाएं काढ़ा?

तुलसी का काढ़ा बनाना काफी आसान है। इसके लिए एक पैन में 2 कप पानी उबालें। इसमें तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च, और लौंग डालें। इसे 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें, जब तक कि पानी आधा न हो जाए। अब इसे छानकर कप में निकालें और स्वादानुसार शहद मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

तुलसी का काढ़ा मानसून में रोजाना पीने से आप स्वस्थ और संक्रमण मुक्त रह सकते हैं। हालांकि, यदि आपको किसी विशेष प्रकार की स्वास्थ्य समस्या है या आप गर्भवती हैं, तो इसके सेवन करने से पहले किसी चिकित्सक से परामर्श करें।

शुगर और हार्ट के रोगियों के लिए लाभकारी

शुगर-कोलेस्ट्रॉल दोनों ही समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। बढ़े हुए ब्लड शुगर का स्तर आंखों, तंत्रिकाओं से लेकर हृदय की समस्याओं को बढ़ाने वाला माना जाता है, वहीं हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण हृदय रोग-हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ जाता है, इसे कंट्रोल में रखना जरूरी है। तुलसी की पत्तियों का सेवन या इससे तैयार काढ़ा पीना इन दोनों स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम करने में मददगार है।

दूर रहती है चिंता-तनाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया दैनिक आहार में तुलसी को शामिल करके इससे लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तुलसी की चाय, इसकी पत्तियों या अर्क का सेवन करके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। तुलसी का काढ़ा एक प्राकृतिक एडेप्टोजेन माना जाता है, जो शरीर को तनाव और चिंता से निपटने में मदद करती है। यह मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ाने के लिए भी सहायक है। स्ट्रेस की समस्या से परेशान लोगों को भी काढ़ा पीने से लाभ मिल सकता है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर संक्रमणों से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का काढ़ा श्वसन तंत्र को साफ करता है और बलगम को कम करने में मदद करता है। ऐसे में इसके सेवन से सर्दी, खांसी, और गले की खराश जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

जीभ के रंग से पता लगा सकते हैं सेहत का हाल

हमारी जीभ सिर्फ स्वाद नहीं बताती, बल्कि हमारे सेहत का आईना भी है। स्वस्थ जीभ हल्की गुलाबी होती है, पर अगर इसका रंग असामान्य दिखे, तो यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं की जीभ का रंग बदलने पर किन बीमारियों का संकेत हो सकता है।

हमारे शरीर का हर अंग हमारी सेहत के बारे में कुछ न कुछ जरूर बताता है, और इनमें से एक है हमारी जीभ। यह सिर्फ स्वाद चखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समग्र स्वास्थ्य की स्थिति का एक अहम आईना होती है। आमतौर पर एक स्वस्थ जीभ हल्की गुलाबी, नम और उस पर एक हल्की सी सफेद परत होती है।

सफेद जीभ और इसके कारण

सफेद जीभ या मोटी सफेद परत अक्सर खराब मौखिक स्वच्छता, फंगल इन्फेक्शन (जैसे ओरल थ्रश) या डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकती है। कैंडिडा यीस्ट के कारण होने वाला ओरल थ्रश बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में आम है। इसके अलावा, ल्यूकोप्लाकिया, एक ऐसी स्थिति जिसमें सफेद धब्बे बनते हैं, मुंह के कैंसर का प्रारंभिक संकेत हो सकती है। धूम्रपान और तंबाकू का उपयोग भी सफेद जीभ का कारण बनता है। नियमित ब्रशिंग और जीभ की सफाई इस समस्या को कम कर सकती है।

लाल या चटक गुलाबी जीभ

असामान्य रूप से लाल या चटक गुलाबी जीभ विटामिन बी की कमी, विशेष रूप से बी12 या फोलिक एसिड, का संकेत हो सकती है। यह स्कार्लेट बुखार या कावासाकी रोग जैसी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। इसके अलावा, जीभ पर लाल धब्बे या चिकनी सतह (ग्लोसाइटिस) एलर्जी, संक्रमण या ऑटोइम्यून रोगों का लक्षण हो सकती है। ऐसी स्थिति में रक्त जांच और डॉक्टर से परामर्श जरूरी है।

पीली जीभ

पीली जीभ अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे गैस्ट्राइटिस या लिवर की खराबी, का संकेत देती है। यह बैक्टीरियल ग्रोथ या खराब मौखिक स्वच्छता के कारण भी हो सकती है। कई बार जीभ का पीला होना जॉन्डिस या पीलिया बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जीभ को स्वच्छ रखने के उपाय

जीभ के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित मौखिक स्वच्छता जरूरी है। दिन में दो बार ब्रश करें और जीभ को टंग स्क्रेपर से साफ करें। पर्याप्त पानी पिएं, ताकि डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। धूम्रपान, तंबाकू से परहेज करें। अपनी डाइट में संतुलित आहार शामिल करें। यदि जीभ का रंग या बनावट असामान्य हो और यह एक सप्ताह से अधिक समय तक रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

किचन कैबिनेट्स साफ करते वक्त बरतें सावधानी, लकड़ी फूलकर नहीं होगी खराब

किचन कैबिनेट्स को साफ करना भी जरूर है, लेकिन लकड़े के कैबिनेट्स को आप किन चीजों से साफ कर रही हैं, यह जानना जरूरी हैं। कुछ चीजें लकड़ी को खराब कर सकती हैं। आइए आपको इस लेख में बताएं कि किन चीजों से किचन कैबिनेट्स को साफ नहीं करना चाहिए।

पानी से सफाई करने से हो सकता है नुकसान

लकड़ी नमी से बहुत जल्दी खराब हो जाती है। अगर कैबिनेट्स पर बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल किया जाए या उन्हें बहुत देर तक गीला छोड़ दिया जाए, तो लकड़ी फूल सकती है। उसमें दरारें पड़ सकती हैं और उसका फिनिश खराब हो सकता है। पानी लकड़ी के अंदर घुसकर उसे सड़ा भी सकता है। इसके बजाय, एक नम कपड़े का उपयोग करें और फिर तुरंत सूखे कपड़े से साफ करें।

अब्रेसिव क्लीनर और स्क्रबिंग पैड का इस्तेमाल न करें

स्टील वूल, खुरदुरे स्पंज या किसी भी प्रकार के अब्रेसिव क्लीनर का उपयोग लकड़ी के कैबिनेट्स पर नहीं करना चाहिए। ये लकड़ी की सतह को खरोंच सकते हैं, जिससे उसकी चमक खत्म हो सकती है और उस पर स्थायी निशान पड़ सकते हैं। हमेशा नरम माइक्रोफाइबर कपड़े का उपयोग करें। अमोनिया-बेस्ड क्लीनर का इस्तेमाल न करें।खिड़की साफ करने वाले क्लीनर या अन्य अमोनिया-युक्त उत्पाद लकड़ी के फिनिश को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमोनिया लकड़ी के रंग को फीका कर सकता है और उसकी प्रोटेक्टिव लेयर को तोड़ सकता है, जिससे लकड़ी खराब होने लगती है। इसके अलावा आपको एसिडिक क्लीनर भी इस्तेमाल नहीं करन चाहिए।

आपकी इन आदतों की वजह से शरीर में जमने लगता है फैट

वजन बढ़ना आज के समय में बेहद आम समस्या है। हमारे देश में इस समस्या से करोड़ों लोग ग्रसित हैं। इसके पीछे कई कारण हैं, इन्हीं में से एक कारण हमारी दिनचर्या की कुछ गलत आदतें हैं भी हैं, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में वजन बढ़ना एक बेहद आम समस्या है, एक रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में लगभग 10 करोड़ से अधिक लोग इस समस्या से परेशान हैं। मोटापा सिर्फ एक शारीरिक समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक महामारी बन चुका है। यह धीरे-धीरे हमारे शरीर में घर करता है और अपने साथ डायबिटीज, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। अक्सर हम मोटापे को सिर्फ खाने-पीने से जोड़ते हैं, लेकिन इसके पीछे हमारे दिनचर्या की कुछ गलत आदतें भी होती हैं, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि हमारा बढ़ता तनाव, कम शारीरिक गतिविधि (गतिहीन जीवनशैली) और अनियमित खानपान, ये सब मिलकर शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होने को बढ़ावा देते हैं। अच्छी बात यह है कि सही आदतों को अपनाकर इसे नियंत्रित भी किया जा सकता है। आइए इस लेख में हम उन आदतों के बारे में जानते हैं, जिन्हें

अपनाकर आप इन आदतों को सुधारकर एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। हमारी रोजमर्रा की कुछ आदतें जाने-अनजाने में मोटापे का कारण बनती हैं। इन्हें पहचानकर सुधारना जरूरी है-

खानपान की कुछ आदतें

ज्यादा नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट (मक्खन, घी, पनीर) वाले खाना, जैसे फास्ट फूड, प्रोसेस्ड स्नैक्स और कोल्ड ड्रिंक तेजी से कैलोरी बढ़ाते हैं, जिससे वजन बढ़ता है।

अनियमित नींद

हर दिन सोने और जागने का समय बदलना या पर्याप्त नींद न लेना शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ाता है। यह हार्मोन शरीर में चर्बी जमा करने में अहम भूमिका निभाता है।

कम शारीरिक गतिविधि

दिनभर बैठे रहना या गतिहीन जीवनशैली मोटापे का एक बड़ा कारण है, क्योंकि इससे कैलोरी बर्न नहीं होती और फैट इकट्ठा होता है।

मानसिक तनाव

मानसिक तनाव शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ाता है, जिससे भूख लगती है और मीठा खाने की इच्छा होती है, ये दोनों ही आदतें शरीर में फैट जमा होने में अहम भूमिका निभाती हैं। तनाव प्रबंधन मोटापे से निपटने के लिए बेहद जरूरी है।

पानी कम पीना

शरीर में पानी की कमी भी मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकती है जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नहीं रहीं 'स्टूपिड क्यूपिड' फेम फ्रांसिस खामोश हुई अमेरिकी संगीत की आवाज

अमेरिकी संगीत जगत की एक चमकती हुई आवाज हमेशा के लिए खामोश हो गई है। 'स्टूपिड क्यूपिड', 'प्रिटी लिटिल बेबी' और 'हूज सॉरी नाउ?' जैसे हिट गानों से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली मशहूर गायिका कोनी फ्रांसिस का 87 साल की उम्र में निधन हो गया है।

उनके निधन की पुष्टि उनके करीबी मित्र रॉन रॉबर्ट्स ने की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए इस दुखद खबर को शेयर किया। रॉन ने लिखा, 'भारी मन और गहरे दुख के साथ मैं आपको सूचित करता हूं कि मेरी प्रिय मित्र कॉनी फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहीं।' हालांकि उनकी मृत्यु का कारण अब तक साफ नहीं किया गया है, लेकिन ये खबर उनके लाखों प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के लिए बड़ा झटका है।कोनी फ्रांसिस का सिंगिंग करियर 1957 से 1964 तक अपने सुनहरे दौर में था। उस समय जब रॉक एन रोल म्यूजिक का क्रेज तेजी से बढ़ रहा था, तब कोनी ने अपनी मधुर और दिल को छू लेने वाली आवाज से फैंस के दिलों में खास जगह बना ली। वो उस समय की पहली सफल महिला गायिकाओं में से एक थीं, जिनके गाने लगातार टॉप म्यूजिक चार्ट्स में बने रहते थे। उनके करियर की शुरुआत 'हूज सॉरी नाउ?' जैसे सुपरहिट गाने से हुई, जो रातोंरात वायरल हो गया था। इसके बाद 'द हार्ट हेज ए माइंड ऑफ इट्स ओन' और 'डोन्ट ब्रेक द हार्ट डेट लव्स यू' जैसे गानों ने उनकी पहचान को और मजबूत किया। उनकी गायकी की खासियत थी उसमें छुपे इमोशन्स और दर्द, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को आकर्षित करती रही।

टॉलीवुड

'कुली' की स्टोरी हुई लीक, रजनीकांत फिल्म में निभाएंगे दमदार किरदार

जल्द ही साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' रिलीज होगी। फिल्म के मेकर्स इसकी कहानी और किरदार से जुड़ी कोई बात करने को तैयार नहीं हैं। मगर अब इस फिल्म की कहानी लीक हो चुकी है। निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' के अब तक जो लुक सामने आए हैं, उनमें रजनीकांत के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल नहीं होती है। लेकिन हाल ही में इस फिल्म की कहानी और रजनीकांत के किरदार से जुड़ी डिटेल्स लीक हुईं। लेटरबॉक्स्ड, फैंडेंगो नाम के कुछ प्लेटफॉर्म पर 'कुली'की स्टोरी लाइन का जिक्र है। लेटरबॉक्स्ड (फिल्म रेटिंग प्लेटफॉर्म) नाम के एक प्लेटफॉर्म के अनुसार फिल्म 'कुली' में रजनीकांत के किरदार का नाम देवा है। वह एक स्मगलर का रोल निभा रहे हैं, जो सोने की घड़ियों की तस्करी करता है। देवा अपने गैंग को फिर से एक करना चाहता है। फिल्म के प्रमोशन मटीरियल में भी सोने की घड़ी और सोने का इस्तेमाल दिखाया गया है।

एक अन्य प्लेटफॉर्म फैंडेंगो (अमेरिकी टिकटिंग प्लेटफॉर्म) में 'कुली' की कहानी की ज्यादा डिटेल दी गई है। फैंडेंगो के अनुसार देवा अपनी अतीत की गलतियों को सुधारने की कोशिश करेगा। जवानी में जहां वह बदला लेने पर जोर देता है, वहीं उम्रदराज होने पर अपनी गलतियों को सुधारने के लिए मोटिवेट होता है। देवा की जर्नी फिल्म में काफी उथल-पुथल से भरी होगी। इस फिल्म में एक्शन भी काफी देखने को मिलेगा। इस फिल्म की कहानी को जानकर रजनीकांत के फैंस काफी खुश हैं।

फिल्म 'कुली' में रजनीकांत जहां लीड रोल कर रहे हैं, वहीं इस फिल्म में आमिर खान भी एक कैमियो कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने आमिर खान का लुक भी रिवील किया है। वह फिल्म में दाहा नाम का एक किरदार निभाएंगे।

भोजपुरी

शूटिंग भूल पेड़ से जामुन तोड़कर खाने लगीं रानी, बोलीं- गांव का असली मजा

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी के पास कई फिल्मे हैं। वे लगातार शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान वे मस्ती का कोई मौका नहीं छोड़तीं। हाल ही में वे पेड़ से जामुन तोड़कर खाती दिखीं।

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी इन दिनों फिल्म 'परिणय सूत्र' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म को किसी गांव में फिल्माया जा रहा है। यहां शूटिंग से फुरसत के पल निकालकर अभिनेत्री पेड़ से तोड़कर जामुन खाती नजर आईं। फिल्म के बाकी कलाकार भी साथ में दिखाई दिए। रानी ने मजेदार वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

रानी चटर्जी ने आज बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे 'परिणय सूत्र' की शूटिंग के दौरान कुछ फुरसत के पल निकाल जामुन खाती दिख रही हैं। जामुन उन्होंने पेड़ से तोड़े हैं और पेड़ से इस तरह जामुन तोड़कर खाने का रानी का यह पहला अनुभव है। वीडियो में वे कह रही हैं, 'आज पहली बार पेड़ से जामुन तोड़कर खा रही हूं। गांव का असली मजा ले रही हूं'। फिल्म के लीड एक्टर कह रहे हैं, 'हमारे साथ आपको ऐसे ही नए-नए अनुभव मिलेंगे। जामुन, आम सबकुछ आप अपने हाथ से तोड़िए और खाइए'। रानी चटर्जी आगे कहती हैं, 'सीरियसली मैं बहुत एंजॉय कर रही हूं'। रानी ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और मेरे दोनों हीरो जामुन तोड़ कर खा रहे है'।

विक्टर एंड रॉल्फ के एसएस-25 कॉउचर शो में आधुनिक सिंड्रेला जैसी पोशाकें प्रदर्शित की गईं, जिन्हें भारी ट्यूल स्कर्टों पर बेतरतीब आकार के पैचवर्क के टुकड़ों से सजाया गया था। इस नई ड्रेस की दर्शकों ने भरपूर सराहना की। मॉडल सिट्स लुई ने इस ड्रेस पर अपनी अदाएं दिखाई।

हरियाली तीज के दिन घर पर करें फेशियल, खिल उठेगा चेहरा

हरियाली तीज के त्यौहार का इंतेज़ार विवाहित महिलाएं सालभर करती हैं। इस दिन महिलाएं खूब सज संवर के भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा करती हैं। ये पूजा सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होती है, इसलिए इसके लिए महिलाएं 16 श्रृंगार करके तैयार होती हैं। इस दिन सबसे खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं कई कई दिन पहले फेशियल भी कराती हैं। अगर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो घर पर ही आप फेशियल करके ग्लोइंग त्वचा पा सकती हैं। यहां हम आपको घर पर ही फेशियल करने का सबसे आसान तरीका बताने जा रहे हैं।

क्लींजिंग

फेशियल के लिए सबसे पहले त्वचा को साफ करें। क्लींजिंग के लिए कच्चा दूध या गुलाबजल का उपयोग कर सकती हैं। कॉटन में दूध या गुलाबजल लेकर चेहरे को अच्छे से साफ करें। इससे चेहरे पर जमी गंदगी निकल जाएगी और त्वचा ताजा महसूस करेगी।

स्टीमिंग

स्टीमिंग के लिए सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी लें और उसमें कुछ बूंदें एसेंशियल ऑयल की डाल सकते हैं। अब तौलिए से सिर को ढककर चेहरे को भाप दें।

स्क्रब

स्क्रब करने के लिए 1 बड़ा चम्मच चीनी, 1 छोटा चम्मच शहद लें और इसे मिलाकर चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे मृत त्वचा निकल जाती है और त्वचा में चमक आती है।

मसाज

फेशियल के चौथे स्टेप में मसाज करें। इसके लिए नारियल तेल लें और इससे पूरे चेहरे पर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। ऐसा करने से रक्त संचार बढ़ता है और त्वचा मुलायम बनती है।

फेस पैक

मसाज के बाद घर पर ही अपनी स्किन टाइन के हिसाब से फेस मास्क तैयार करें। आप दो बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी, एक चम्मच दही मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। इसे 15-20 मिनट तक सूखने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

टोनर

टोनर के लिए गुलाब जल बेस्ट विकल्प है। चेहरे पर लगे फेस मास्क को धोने के बाद चेहरे पर गुलाबजल का स्प्रे करें।

सावन में दुपट्टे वाली गाउन ड्रेसेस को स्टाइल कर पाएं मॉडर्न लुक

सावन के मौके पर ट्रेडिशनल लुक के साथ मॉडर्न ट्विस्ट पाने के लिए आप इस तरह की दुपट्टे वाली गाउन ड्रेस पहन सकती हैं। इस ड्रेस में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत और अलग नजर आएगा।

सावन का महीना चल रहा है और इस खास मौके पर महिलाएं ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। इस सावन में कई महिलाएं ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए साड़ी या सूट पहनती हैं। लेकिन, अगर आप अपने ट्रेडिशनल लुक को मॉडर्न टच देना चाहती हैं, तो आप दुपट्टे वाली गाउन ड्रेस स्टाइल कर सकती हैं। यह ड्रेस आपके स्टाइल में नया ट्विस्ट लाने का काम करेगा, साथ ही, इसे पहनने के दौरान आप कंफर्टेबल भी रहेंगी। हम आपको कुछ दुपट्टे वाली गाउन ड्रेसेस दिखा रहे हैं। इस तरह की ड्रेस में आपका लुक सुंदर लगेगा, साथ ही, आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

एम्बेलिश्ड वर्क गाउन ड्रेस

अगर आप शादी के बाद पहली बार सावन का त्योहार सेलिब्रेट कर रही हैं और भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, साथ ही ब्यूटीफुल लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह की एम्बेलिश्ड वर्क गाउन ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है, और इस गाउन ड्रेस के साथ जो दुपट्टा है, वह आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा। इस तरह की ड्रेस के साथ अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए आप पर्ल वर्क इयररिंग्स पहन सकती हैं, जो आपके लुक को न्यू टच देंगे।

प्रिंटेड दुपट्टा गाउन

अगर आप सावन के मौके पर ग्रीन कलर का आउटफिट नहीं पहनना चाहती हैं, तो आप प्रिंटेड में इस तरह का गाउन स्टाइल कर सकती हैं। यह गाउन सिंपल फैब्रिक में है, लेकिन इस गाउन के साथ जो दुपट्टा है, वह बेहद ही खूबसूरत प्रिंट में है। यह आउटफिट आपके लुक को न्यू टच देने का काम करेगा और इसे स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर लगेगा। इस आउटफिट के साथ आप झुमके पहन सकती हैं, जो आपके लुक में चार-चांद लगा देंगे।

गोल्ड हूप्स इयररिंग्स से बढ़ाएं अपनी खूबसूरती

सिंपल लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप गोल्ड हूप्स इयररिंग्स को वियर कर सकती हैं। इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। आइए इसके कुछ नए डिजाइंस देखते हैं। जब भी लुक को क्रिएटिव बनाने की बात आती है, तो ऐसे में अक्सर हम कुछ ऐसे डिजाइन की ज्वेलरी को पहनना पसंद करते हैं। जिसे वियर करके हम सुंदर नजर आएं। ऐसे में आप भी अपने सिंपल लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए गोल्ड हूप्स इयररिंग्स को वियर कर सकती हैं।

ट्रिपल सर्कल

आप अपने आउटफिट के साथ पहनने के लिए इन ट्रिपल सर्कल डिजाइन वाले गोल्ड हूप्स इयररिंग्स को वियर कर सकती हैं। इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, इसके बाद आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव नजर आएगा। इस तरह के इयररिंग्स को पहनने से आप लुक में कुछ नया ऐड कर पाएंगी। आप इस तरह के इयररिंग्स को बाजार से खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

हाफ हूप्स

अगर आप वेस्टर्न आउटफिट को स्टाइल करने के बारे में सोच रही हैं, तो ऐसे में आप हाफ हूप्स गोल्ड इयररिंग्स को वियर कर सकती हैं। इस तरह के इयररिंग्स पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। बस आपको इसमें फोटो में नजर आने वाले डिजाइन को खरीदकर वियर करना है। इसे पहनने के बाद हर कोई इयररिंग्स के बारे में पूछेगा। ऐसे में आप भी ऐसे ही इयररिंग्स को खरीदकर पहन सकती हैं।

ट्विस्टेड डिजाइन

सुंदर आप तभी नजर आएंगी। जब आप ट्विस्टेड डिजाइन वाले गोल्ड हूप्स इयररिंग्स को वियर करेंगी। इस तरह के इयररिंग्स में आपको अलग तरह का डिजाइन मिलेगा। इसके साथ आपको इसमें लाइनिंग पैटर्न भी मिलेगा। इससे यह इयररिंग्स आप किसी भी आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। इसे पहनने के बाद आपके कान अच्छे लगेंगे। इसे आप थोड़े बड़े डिजाइन में खरीदें। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा।

सावन में सजाएं अपने पैरों को आलता के साथ

सावन में महिलाओं को अच्छे से तैयार होकर रहना काफी पसंद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह त्योहारों का महीना कहा जाता है। इस महीने को खास बनाने के लिए आप पैरों में आलता भी लगा सकती हैं।

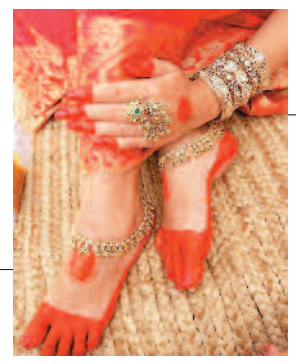

पैरों की बढ़ाएं रौनक

आप भी सावन के महीने में आलता लगाकर अपने पैरों की रौनक को दोगुना कर सकती हैं। इससे पैर भी सुंदर नजर आएंगे। साथ ही, आपको अलग-अलग तरह के डिजाइन पता चल जाएंगे। जिसे लगाने के बाद आपके पैर सुंदर लगेंगे।

गोल टिक्की डिजाइन

आप पैरों में सिंपल लेकिन सबसे ज्यादा लगाने वाले आलता डिजाइन गोल टिक्की (Gol Tikki Alta Design) को लगा सकती हैं। इस तरह के आलता डिजाइन लगने के बाद अच्छे लगेंगे। इसमें आपको अपने पैरों में आलता लगाना है। इसके बाद ऊपर की तरफ गोल टिक्की का डिजाइन क्रिएट करा सकती हैं। इससे आपके पैर सुंदर नजर आएंगे।

फ्लावर डिजाइन

सावन में पैरों की रौनक को दोगुना करने के लिए आप फ्लावर डिजाइन वाले आलता को लगा सकती हैं। इस तरह के आलता डिजाइंस आसानी से बन जाते हैं। आपको अपनी एड़ी और पंजे के पास आलता डिजाइन लगाना है। इसके बाद बीच के हिस्से में आपको सिंपल डिजाइन वाला फ्लावर क्रिएट करना है। इससे आपके पैर सुंदर नजर आएंगे।

उंगलियों पर लगाएं

अगर आपको पूरे पूर पर आलता नहीं लगाना है, तो ऐसे में आप उंगलियों पर आलता लगाकर इसे भर सकते हैं। इस तरह से आलता लगाने से आपके पैरों की रौनक दोगुनी हो जाएगी। साथ ही, आपके पैर अच्छे नजर आएंगे। इसके पीछे आप मेहंदी से डिजाइन बना सकती हैं। आलता के खास डिजाइन आपके पैरों की शोभा बढ़ा देंगे।

कार्नर न्यूज

लाइफ स्टाइल से जुड़ी आदतें असर करती हैं हमारी त्वचा पर

लंबे समय तक चाहिए ग्लोइंग स्किन तो 30 के बाद छोड़ दें कुछ आदतें, मिल जाएगा हमेशा जवां दिखने का नुस्खा

हर पुरुष की ख्वाहिश होती है उसकी स्किन एवरग्रीन और एवरग्लोइंग रहे। लेकिन यह मुश्किल जरूर है नामुमकिन नहीं। पुरुषों का सबसे हसीन दौर 20's का होता है। ये सिर्फ स्किन नहीं बल्कि उनकी जिंदगी का भी हसीन दौर होता है। इस वक्त न तो भविष्य को लेकर ज्यादा चिंता होती है और न ही स्किन की। इस समय अपकी स्किन नैचुरली ही ग्लो करती है। लेकिन जैसे-जैसे आप 30 की उम्र पर पहुंचते हैं। जिंदगी के साथ आपकी स्किन की भी परीक्षा शुरू हो जाती है। 30 की उम्र शुरू होते ही या पार करते ही न केवल स्किन में महीन रेखाएं उभरने लगती हैं बल्कि धीरे-धीरे ग्लो भी कम होने लगता है। समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में आपकी स्किन और खराब हो सकती है। स्किन केयर तो आप करते हैं, लेकिन यह उतनी प्रभावी नहीं जितनी होनी चाहिए। केयरिंग के साथ ही आपको अपनी कुछ बुरी आतदों को भी छोड़ना होगा। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो आदतें, जिन्हें छोड़ने पर आपकी स्किन लंबी उम्र तक जवां रह सकती है।

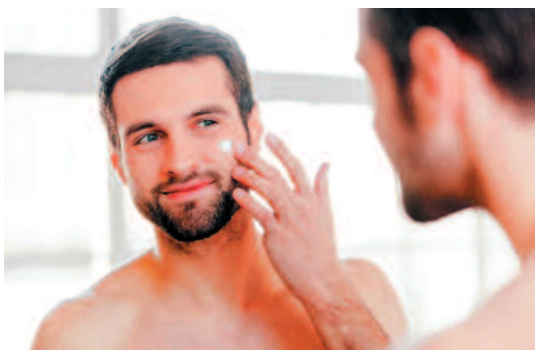

30 के बाद छोड़ दें ये आदतें

अच्छी चीजों और आदतों को बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने पड़ते हैं। अगर आपकी भी हेल्दी और फ्रेश स्किन की ख्वाहिश है तो फिर कुछ कड़े कदम उठाइए। स्किन केयर भी कारगर है लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है कुछ आदतों में बदलाव। आइए जानते हैं उन आदतों के बारे में जिन्हें बदलने का समय आ चुका हैं।

पुराने स्किन केयर प्रोडक्ट को यूज न करें

हम इंडियन बड़ी ही किफायती होते हैं। हर चीज को पूरा यूज करना चाहते हैं। लेकिन यही आदत स्किन के लिए बड़ी भूल बन सकती है। किफायत के चक्कर में अगर आप पुराने या एक्सपायर स्किन केयर प्रोडक्ट्स को चुन रहे हैं तो अपनी इस आदत को बदल दें।

एक्सपायर स्किन केयर प्रोडक्ट्स यूज करने से स्किन पर तमाम तरह के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। पिंपल्स, स्किन पैच, स्किन इरीटेशन जैसी समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है।

स्किन केयर प्रोडक्ट

स्किन केयर प्रोडक्ट की लंबी रेंज मार्केट में अविलेबल है। ये प्रोडक्ट स्किन टाइप, उम्र और स्किन कंडीशन पर आधारित होते हैं। कारण ही हर किसी की त्वचा अलग किस्म की होती है, उसी के अनुसार उसे केयर की जरूरत होती है। उम्र के हर पड़ाव में आपको अलग-अलग स्किन केयर की जरूरत होती है। यही कारण है जो प्रोडक्ट आप 20's में यूज करते थे, वो 30 या इसके बाद नहीं कर सकते।30 के बाद स्किन की डिमांड चेंज हो जाती है। इसे अवाइड करना सही नहीं। इसलिए उम्र के हिसाब से ही प्रोडक्ट का चुनाव करें।

एस्ट्रीजेंट 'नो' और टोनर 'यस'

कम उम्र में आप यह नहीं जान पाते कि आपके लिए एस्ट्रीजेंट जरूरी है या टोरन। लेकिन यह ध्यान रखें कि 30 के बाद टोनर आपके लिए स्किन टॉनिक है। अगर आप एस्ट्रीजेंट यूज करते हैं तो उसकी जगह टोनर का इस्तेमाल शुरू कीजिए। एस्ट्रीजेंट की बजाय टोनर स्किन के लिए ज्यादा फायदेमंद है। टोनर स्किन की गंदगी और चिपचिपे तेल को साफ करके आपको देता है बेदाग त्वचा। टोनर सिलेक्शन करते समय यह ध्यान रखें कि एल्कोहल और केमिकल यूक्त टोनर यूज न करें।

रूटीन को बदलें

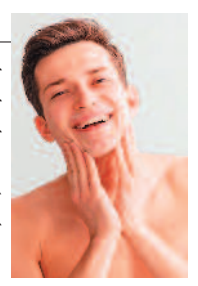

30 के बाद स्किन केयर के साथ रूटीन भी बदलने की जरूरत है। लेट नाइट पार्टी, स्ट्रीट फूड या फिजीकल एक्टिविटी पर फिर से सोचें।